संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष- 21 अंक- 161
पृष्ठ 8
शुक्रवार
28 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक- उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बदलते मौसम में इम्यूनिटी बनेगी...
विचार- कम्पनियों को जंगलों में प्रवेश देने...
खेल- इंग्लैंड टूर्नामेंट से बाहर, अफगानिस्तान...

काहिरा-काठमांडू का वीडियो दिखाकर महाकुंभ को बदनाम किया गया : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि महाकुंभ जैसा इतना विशाल समागम दुनिया में कहीं नहीं हुआ, लेकिन विरोधियों ने इसके दुष्प्रचार का कोई मौका नहीं चूका। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने यहां स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, "महाकुंभ में 66 करोड़ 30 लाख श्रद्धालु आए, जिसमें अपहरण, लूट, छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोई घटना नहीं हुई। कोई ऐसी घटना नहीं हुई जो विरोधियों को दूरबीन और माइक्रोस्कोप लगाकर भी ढूंढने से मिल सके। विरोधियों ने दुष्प्रचार का कोई मौका चूका नहीं। जिन्हें यह आस्था का महासमागम अच्छा नहीं लगा, उन्होंने कोई मौका नहीं चूका। मुख्यमंत्री ने कहा, "मौनी अमावस्या पर आठ करोड़

श्रद्धालु यहां पर थे। हमारी प्राथमिकता थी कि इन श्रद्धालुओं को सकुशल स्नान कराके उन्हें उनके गंतव्यों तक पहुंचाया जाए। लेकिन विरोधी और विपक्षी लगातार दुष्प्रचार कर रहे थे और अपमानित करने की भाषा का उपयोग कर रहे थे।" उन्होंने कहा, "कोई काहिरा की घटना का दृश्य दिखाकर प्रयागराज को बदनाम कर रहा था। मौनी अमावस्या पर 28–29 जनवरी की रात को दुखद घटना घटित हुई थी। उन सभी लोगों के परिजनों के प्रति हमारी संवेदना है। लेकिन काहिरा और काठमांडू की घटना को प्रयागराज से जोड़कर बदनाम करने की साजिशें हो रही थीं। मुझे लगता है कि जनता जनार्दन ने एक सिरे से इन्हें खारिज करके प्रयागराज महाकुंभ में आकर यह साबित किया कि तुम्हारे दुष्प्रचार में नहीं आएंगे।" योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महाकुंभ को लेकर मध्य प्रदेश में की गई बातों का उल्लेख

● विरोधियों ने महाकुंभ के दुष्प्रचार का कोई मौका चूका नहीं

करते हुए कहा, "प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में महाकुंभ में स्वच्छता और सुरक्षा की सबसे अधिक प्रशंसा की थी।" उन्होंने कहा, "सरकार के सभी विभागों ने स्वास्थ्य, सुरक्षा, सिंचाई विभाग, जलापूर्ति, परिवार कल्याण विभाग के कर्मचारियों ने इस आयोजन को अपने घर का आयोजन बनाकर इसे भव्य और सफल बनाने का काम किया और तभी इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस आयोजन का हिस्सा बन सके।" उन्होंने कहा, "महर्षि वेद व्यास ने 5,000 साल पहले कहा था कि धर्म के मार्ग पर चलो तो इससे अर्थ और मनोकामनाओं की पूर्ति होगी और प्रयागराज के वासियों ने वेद व्यास की इस वाणी को सत्य साबित किया।"

एकता का महाकुंभ, युग परिवर्तन की आहट : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में महाशिवरात्रि के साथ संपन्न महाकुंभ पर्व की दिव्यता और भव्यता पर अपने मन के उद्‌गार व्यक्त करते हुए इसे युग परिवर्तन की आहट बताया है। उन्होंने महाकुंभ पर अपने विचार को लेखबद्ध करते हुए गुरुवार को कहा है कि सहस्राब्दियों से चली आ रही महाकुंभ की यह सनातन परंपरा राष्ट्र चेतना जागृत करने वाला पर्व है। श्री मोदी ने लिखा, "महाकुंभ संपन्न हुआ...एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। जब एक राष्ट्र की चेतना जागृत होती है, जब वो सैकड़ों साल की गुलामी की मानसिकता के सारे बंधनों को तोड़कर नव चौतन्य के साथ हवा में सांस लेने लगता है, तो ऐसा ही दृश्य उपस्थित होता है, जैसा हमने 13 जनवरी के बाद से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में देखा।" प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मैंने देवभक्ति से देशभक्ति की बात कही थी।

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सभी देवी–देवता जुटे, संत–महात्मा जुटे, बाल–वृद्ध जुटे, महिलाएं–युवा जुटे, और हमने देश की जागृत चेतना का साक्षात्कार किया। उन्होंने कहा, "यह महाकुंभ एकता का महाकुंभ था, जहां 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ गई थीं।" श्री मोदी ने कहा, "तीर्थराज प्रयाग के इसी क्षेत्र में एकता, समरसता और प्रेम का पवित्र क्षेत्र श्रृंगवेरपुर भी है, जहां प्रभु श्रीराम और निषादराज का मिलन हुआ था। उनके मिलन का वो प्रसंग भी हमारे इतिहास में भक्ति और सद्‌भाव के संगम की तरह ही है। प्रयागराज का ये तीर्थ आज भी हमें एकता और समरसता की वो प्रेरणा देता है।" उन्होंने कहा कि बीते 45 दिनों में प्रतिदिन, मैंने देखा, कैसे देश के कोने–कोने से लाखों–लाख लोग संगम तट की ओर बढ़े जा रहे हैं। संगम पर स्नान की भावनाओं का ज्वार, लगातार बढ़ता ही रहा। हर श्रद्धालु बस एक ही धुन में था, संगम में स्नान! मां गंगा, यमुना, सरस्वती की त्रिवेणी हर श्रद्धालु को उमंग, ऊर्जा और विश्वास के भाव से भर रही थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में हुआ महाकुंभ का ये आयोजन, आधुनिक युग के 'मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स' के लिए, 'प्लानिंग' और 'पॉलिसी एक्सपर्ट्स' के लिए, नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया हैरान है कि कैसे एक नदी तट पर, त्रिवेणी संगम पर इतनी बड़ी संख्या में करोड़ों की संख्या में लोग जुटे। इन करोड़ों लोगों को ना औपचारिक निमंत्रण था, ना ही किस समय पहुंचना है, उसकी कोई पूर्व सूचना थी। बस, लोग महाकुंभ चल पड़े और पवित्र संगम में डुबकी लगाकर धन्य हो गए। श्री मोदी ने कहा, "मैं वो तस्वीरें भूल नहीं सकता, स्नान के बाद असीम आनंद और संतोष से भरे वो चेहरे नहीं भूल सकता। महिलाएं हों, बुजुर्ग हों, हमारे दिव्यांग जन हों, जिससे जो बन पड़ा, वो साधन करके संगम तक पहुंचा।" उन्होंने कहा, "मेरे लिए ये देखना बहुत ही सुखद रहा कि बहुत बड़ी संख्या में भारत की आज की युवा पीढ़ी प्रयागराज पहुंची। भारत के युवाओं का इस तरह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए आगे आना, एक बहुत बड़ा संदेश है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने की मोदी से मुलाकात

नयी दिल्ली 27 फरवरी (वार्ता) हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरूवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जोरदार जीत पर बधाई दी। सूत्रों के अनुसार करीब आधे घंटे तक चली मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री और

मुख्यमंत्री ने हरियाणा में विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की। श्री सैनी ने हरियाणा के आधारभूत विकास और भविष्य की परियोजनाओं पर भी प्रधानमंत्री मोदी को जानकारी दी। उन्होंने हरियाणा में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं और उनके क्रियान्वयन के बारे में भी श्री मोदी को रिपोर्ट दी। दोनों नेताओं ने हरियाणा के सतत विकास और विकसित भारत 2047 के संकल्प में हरियाणा की भागीदारी पर भी चर्चा की। श्री सैनी ने आगामी निकाय चुनाव को लेकर भी प्रधानमंत्री के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री ने इस बारे में श्री सैनी को महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

भाषाविवाद के बीच स्टालिन का दावा, हिंदी ने 25 भाषाओं को किया खत्म

चैन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को हिंदी थोपने विवाद में केंद्र पर दबाव बढ़ाते हुए दावा किया कि अन्य राज्यों में भाषा को जबरन अपनाने से 100 वर्षों में 25 मूल उत्तर भारतीय भाषाएं नष्ट हो गईं। सत्तारूढ़ भाजपा ने तुरंत पलटवार करते हुए इस टिप्पणी को मूर्खतापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया। स्टालिन ने कहा था कि 'अखंड

हिंदी पहचान' के लिए दबाव ही प्राचीन भाषाओं को खत्म करता है। उत्तर प्रदेश और बिहार कभी भी 'हिंदी हार्टलैंड' नहीं थे... उनकी वास्तविक भाषाएं अब अतीत के अवशेष हैं। गुरुवार की सुबह एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने केंद्र की भी आलोचना की – जिसने तमिल राजनीतिक नेताओं पर 2026 के चुनाव से पहले एक अनुकूल राजनीतिक कथा बनाने के लिए तथ्यों को तोड़ने–मरोड़ने का आरोप लगाकर हिंदी थोपने की आलोचना की थी – नस्ल और संस्कृति को नष्ट करने के लिए भाषाओं पर हमला करने के लिए। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम नेता ने हिंदी को श्थोपनेश पर अपनी पार्टी की कुछ आपत्तियों को रेखांकित किया, जिसमें यह दावा भी शामिल था कि केंद्र – यह कहने के स्पष्ट विरोधाभास में कि किसी भी राज्य में स्कूली छात्र कोई भी भाषा सीख सकते हैं – वास्तव में तमिल को एक विषय के रूप में पेश नहीं करता है।

राज्यों के साथ पारदर्शी और सहयोगात्मक संवाद की जरूरत : सीतारमण

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को भारत के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने के लिए राज्यों के साथ पारदर्शी और सहयोगात्मक संवाद की आवश्यकता पर जोरदेते हुये कहा कि राज्यों के साथ ईमानदारी से बातचीत होनी चाहिए। श्री सीतारमण ने यहां एक शिखर सम्मेलन में कहा, " राज्यों के साथ ईमानदारी से बातचीत होनी चाहिए। आपको लगता है कि संस्थागत व्यवस्था से आपको वांछित परिणाम मिलेंगे। लेकिन जीएसटी परिषद की स्थापना में भी प्रयास गहन और निरंतर थे। मुझे लगता है कि राज्यों के साथ बातचीत पहले होनी चाहिए।" उन्होंने स्पष्टता और सहयोग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि जैसे जेंडर के सवाल का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। उसी तरह से पैसे या कर हस्तांतरण कैसे होता है, इस बारे में जनता को गलत जानकारी देने का कोई भी प्रयास राष्ट्र के लिए नुकसानदेह है क्योंकि कर्म भविष्य की पीढ़ियों पर बोझ है। फ़ायरसाइड चौट के दौरान

इस बारे में पूछे जाने पर कि क्या संस्थागत ढांचा राज्यों के बीच राजकोषीय असमानताओं को दूर कर सकता है,श्रीमती सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद जैसी संरचनाओं के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता है, लेकिन इसकी नींव वास्तविक राज्य–स्तरीय भागीदारी पर आधारित होनी चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या संरचनात्मक मुद्दों को दूर करने के लिए अतिरिक्त नीतिगत उपायों की आवश्यकता है, उन्होंने कहा " इस स्तर पर नहीं। हमने जिन सुधार उपायों की घोषणा की है, उन्हें अभी कुछ और करना है। आयकर विधेयक को मंजूरी मिलने के बाद हमें तेजी से आगे बढ़ना होगा। हमें एक अप्रैल के बाद तेज गति से आगे बढ़ना होगा।" उन्होंने निर्यात संवर्धन, करदाता सम्मान, आयकर सरलीकरण और सीमा शुल्क में चल रहे सुधारों पर प्रकाश डाला और इनके क्रियान्वयन में विश्वास व्यक्त किया। भारत की ' विकास कहानी' के सामान्य होने की धारणा पर, श्रीमती सीतारमण ने चालू तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में संभावित स्थिरता का संकेत दिया लेकिन इसे अंतिम बिंदु के रूप में खारिज कर दिया।

'आप' के विधायकों ने विधानसभा के बाहर किया प्रदर्शन

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने विधानसभा परिसर में प्रवेश से रोकने के खिलाफ गुरुवार को परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने कहा, "भाजपा वालों ने सरकार में आते है तानाशाही की हदें पर कर दी। 'जय भीम' के नारे लगाने के लिए तीन दिन के लिए आम आदमी पार्टी के विधायकों को सदन से निलंबित किया और आज "आप" विधायकों को विधान सभा परिसर में घुसने भी नहीं दिया जा रहा।" उन्होंने कहा, "ऐसा दिल्ली विधान सभा के इतिहास में कभी नहीं हुआ कि चुने हुए विधायकों को विधान सभा परिसर के अंदर नहीं घुसने दिया जा रहा।" सुश्री आतिशी अपनी पार्टी के विधायकों के साथ धरने पर बैठ गई हैं और बैरिकेडिंग के पास प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि विधानसभा अध्यक्ष के आदेश पर पुलिस पार्टी विधायकों को विधानसभा परिसर में नहीं जाने दे रही है।

राजनाथ ने रक्षा मंत्रालय की हिन्दी पत्रिका 'सशक्त भारत' का विमोचन किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरूवार को यहां रक्षा मंत्रालय की द्विवार्षिक हिंदी पत्रिका 'सशक्त भारत' के प्रथम संस्करण का विमोचन किया। इस पत्रिका में सशस्त्र बलों के कर्मियों की वीरता, देशभक्ति तथा बलिदान पर कविताएँ और मंत्रालय के कर्मियों द्वारा लिखे गए सरकार की नीतियों पर लेख शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने हिंदी को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग के रक्षा मंत्रालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने हिंदी को अपनाने और इसके प्रयोग को बढ़ाने की

आवश्यकता पर बल दिया तथा भाषा को भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने–बाने को जोड़ने वाला सूत्र बताया। 'सशक्त भारत' पत्रिका का उद्देश्य रक्षा मंत्रालय के कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभा को उजागर करना और उन्हें हिंदी में अपने दैनिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना है। पत्रिका का ई–संस्करण रक्षा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार, सचिव (पूर्व सैनिक कल्याण) डॉ. नितेन चंद्रा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पार्टी विधायकों के निलंबन पर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अन्य कांग्रेस विधायकों के साथ राज्य विधानसभा में पार्टी के छह विधायकों के निलंबन को लेकर गुरुवार को राजस्थान विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, गहलोत ने कहा कि सत्तारूढ़ दल को हमारे विरोध की कोई चिंता नहीं है। हमें उनकी ओर से कोई संदेश नहीं मिला है। वे गोविंद सिंह डोटासरा को निशाना बना रहे हैं। वे कांग्रेस को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं (इस गतिरोध को खत्म करने के लिए) पिछले तीन दिनों से मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से बात कर रहा हूं। राज्य के एलओपी टीका राम जूली ने कहा कि वे

● गहलोत बोले- हमें बदनाम करने की हो रही कोशिश

हमें इस डर से विधानसभा में प्रवेश करने से रोक रहे हैं कि हम भी अपनी बात रखेंगे। सत्ता पक्ष तानाशाही कर रहा है। मैंने संसदीय मंत्री और मुख्यमंत्री से भी बात की। लेकिन सत्ता पक्ष नहीं चाहता कि यह गतिरोध खत्म हो। वे नहीं चाहते कि बजट पर चर्चा हो। राजस्थान कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को कार्यवाही से बाहर किया जाना चाहिए और मंत्री को माफी मांगनी चाहिए।

राजस्थान के ब्यावर में स्कूली लड़कियों के यौन शोषण के आरोपों के बाद तनाव, कांग्रेस ने सरकार पर उठाए सवाल

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान का ब्यावर जिला तनाव में है। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग एक लाख निवासियों वाला एक छोटा सा शहर मसूदा स्कूली लड़कियों के लक्षित यौन शोषण और धर्मांतरण रैकेट के आरोपों से स्तब्ध है। मसूदा और आस–पास के इलाकों में बाजार बंद हैं, रैलियां निकाली जा रही हैं और एक पूर्व पार्षद सहित कई लोगों को पुलिस हिरासत में लिया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, पांच पीड़ितों के परिवार के सदस्यों की शिकायतों के बाद तीन नाबालिगों सहित 11 व्यक्तियों के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पीटीआई के अनुसार, लड़कियों के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने सोशल

मीडिया के माध्यम से लड़कियों से संपर्क किया, उन्हें चीनी मोबाइल फोन उपहार में दिए और उनका यौन शोषण किया। इसने पुलिस अधिकारियों के हवाले से कहा कि कुछ पीड़ितों ने पुरुषों पर उन्हें ब्लैकमेल करके धर्मांतरण करने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया। हिरासत में लिए गए 11 लोगों में से तीन नाबालिग हैं। मसूदा के डीएसपी सज्जन सिंह के अनुसार, इस मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में एक पूर्व वार्ड पार्षद हकीम कुरैशी को भी गिरफ्तार किया गया है। कोटडा की एक अदालत ने पुलिस को उसे पांच दिनों की हिरासत में सौंप दिया। चार आरोपियों – लुकमान, सोहेल मंसूरी, रयान मोहम्मद और अफराज को पांच दिनों की पुलिस रिमांड के बाद रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। कई रिपोर्टों के अनुसार, यौन शोषण मामले में सांप्रदायिक पहलू ने ब्यावर जिले में स्थिति को तनावपूर्ण बना दिया है। सभी आरोपी एक विशेष समुदाय से हैं, जबकि लड़कियां दूसरे समुदाय से हैं। पीड़ितों में से एक ने एक टीवी चौनल को बताया कि लड़के कुछ अंतरंग तस्वीरों का इस्तेमाल करके उन्हें ब्लैकमेल कर रहे थे।

उसने कहा कि 14–15 लड़के सेक्सटॉर्शन रैकेट का हिस्सा थे, और पीड़ि्ध्तों में उसकी कक्षा की पांच लड़कियां भी शामिल थीं। उसने कहा कि अन्य लड़कियां भी निशाना बन सकती हैं।

सीएमपी के संस्थापक को अर्पित की पुष्पांजलि

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के हीरक जयन्ती समारोह के तहत महाविद्यालय के संस्थापक चौधरी बाबू महादेव प्रसाद के जन्मदिवस महाशिवरात्रि के दिन बुधवार को हवन–पूजन हुआ।

कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार सिन्हा एवं उनकी पत्नी रितु सिंह ने हवन किया। हवन के बाद संस्थापक बाबू महादेव प्रसाद को स्मरण करते हुए उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे सहित शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

खंड शिक्षाधिकारियों का कोटा बढ़ाने का विरोध

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शैक्षिक सामान्य शिक्षा संवर्ग सेवानियमावली 1992 में संशोधन करते हुए खंड शिक्षाधिकारियों (बीईओ) का कोटा बढ़ाने के विरोध में राजकीय शिक्षक संघ पांडेय गुट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। लोक सेवा आयोग समूह ख के पदों पर चयन के लिए कम से कम तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव मांगता है जो खंड शिक्षा अधिकारियों के पास नहीं है। संरक्षक छाया शुक्ला, अध्यक्ष रामेश्वर पांडेय और महामंत्री सत्यशंकर मिश्रा ने कोटा नहीं बढ़ाने का अनुरोध किया है।

सीएम डैश बोर्ड में पिछड़े विभागों से मांगी रिपोर्ट

प्रयागराज। महाकुम्भ खत्म होने के बाद अब अफसर रुटीन के काम पर जोर दे रहे हैं। बीते डेढ़ महीने से जिले में सीएम डैश बोर्ड की समीक्षा नहीं हुई थी। सीडीओ गौरव कुमार ने सभी विभागों की रिपोर्ट तलब की है। पंचायती राज विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग की रिपोर्ट पिछले कई महीनों से बेहद खराब रही है। सीडीओ ने सभी विभागों को अपनी रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गुरुवार शाम को रिपोर्ट मांगी और शुक्रवार तक सूची अपडेट करने के लिए कहा है। जिससे आने वाले महीने में जिले की स्थिति प्रदेश में अच्छी हो सके।

गायिका खुशबू तिवारी ने किया संगम स्नान

महाकुम्भ नगर। कुम्भ का मेला लगा है भक्तों.. डुबकी लगा लो गीत गाकर एक बार फिर चर्चा में आईं गयिका खुशबू तिवारी ने महाशिवरात्रि स्नान पर्व पर संगम में डुबकी लगाई। खुशबू ने महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व की फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है। दो साल पहले खुशबू भोजपुर रैप सांग गाकर चर्चा में आई थी। उनका गाया पटा लोगे रैप सांग बहुत लोकप्रिय हुआ था। यू ट्यूब पर रैम सांग की रील क 17 लाख लोगों ने देखा। महाकुम्भ पर भी गाया गीत लोकप्रिय हुआ।

कुम्भ-2019 की तुलना में चार गुना अधिक ट्रेनें चलाईं : वैष्णव

प्रयागराज। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि महाकुम्भ में पिछले कुम्भ की तुलना में चार गुना अधिक ट्रेनें चलाईं गईं। महाकुम्भ समापन के बाद प्रयागराज में रेलवे के अधिकारी, कर्मचारी और सुरक्षाकर्मियों को धन्यवाद देने आए रेल मंत्री ने गुरुवार को प्रयागराज जंक्शन पर मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि महाकुम्भ में स्पेशल ट्रेनों के संचालन में कई राज्य की सरकारों का सहयोग से भीड़ को महाकुम्भ में लाने और ले जाने के लिए ट्रेनों का संचालन संभव हो सका। राज्य सरकारों के सहयोग से श्रद्धालु महाकुम्भ में ट्रेनों से आए और गए। मंत्री ने कहा कि महाकुम्भ के लिए रेलवे ने ढाई साल पहले तैयारी शुरू कर दी थी। पूरा ढांचा तैयार करने पर पांच हजार करोड़ रुपये खर्च हुए। उन्होंने कहा कि जो भी कमी रह गई, उसे अगले कुम्भ में पूरा किया जाएगा। मंत्री ने प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर कुम्भ स्पेशल ट्रेन के कोच का निरीक्षण किया। संयुक्त लोको पायलट और गार्ध्र्ड लॉबी में गए। प्लेटफॉर्म एक स्थित अग्निशमन बूथ को देखा। जंक्शन के कंट्रोल रूप का मुआयना करने के बाद रेल मंत्री प्रयाग स्टेशन रवाना हो गए। मंत्री प्रयागराज जंक्शन पर 50 मिनट रहे।

एआई का कमाल, अंबानी-मस्क ने लगाया स्टाल

महाकुम्भ नगर। दुनिया के सबसे बड़े मेले महाकुम्भ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विशेषज्ञ भी अपना हाथ आजमाने में पीछे नहीं रहे। एआई की सहायता से ऐसे वीडियो और फोटो तैयार कर दिए कोई भी देखकर भ्रम में पड़ जाए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऐसी ही एक वीडियो में बड़े–बड़े दिग्गज महाकुम्भ में छोटे–छोटे स्टाल लगाकर बैठे देखे जा सकते हैं। इस वीडियो में सबसे पहले मुकेश अंबानी जियो के स्टाफ पर देखे जा सकते हैं। उसके बाद रैपर बादशाह, गौतम अदाणी, सुंदर पिचाई के अलावा दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क भी छोटे से स्टाल पर ग्राहकों का इंतजार करते देखे जा सकते हैं। कुछ और मशहूर लोगों को शामिल करते हुए वीडियो बनाया गया है।

महाकुंभ 2025: कुंभनगरी आकर 48,500 लोग परिजनों से बिछड़े, पुरुषों के बिछुड़ने की संख्या अधिक

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। कुंभ नगरी में स्नान के लिए पहुंचे 48,500 लोग अपने परिजनों से बिछुड़े। खास बात यह कि परिजनों से बिछुड़ने वालों में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों की संख्या अधिक रही यह सभी कुछ दिनों के इंतजार के बाद अपने परिजनों तक पहुंच गए।

कुंभ नगरी में स्नान के लिए पहुंचे 48,500 लोग अपने परिजनों से बिछुड़े। खास बात यह कि परिजनों से बिछुड़ने वालों में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों की संख्या अधिक रही यह सभी कुछ दिनों के इंतजार के बाद अपने परिजनों तक पहुंच गए। मेले में सिर्फ छह साल का एक बच्चा ही ऐसा रहा, जो अब तक परिजनों तक नहीं पहुंच सका।

कुंभ नगरी में परिजनों से बिछुड़ने वालों की मदद के लिए तीन केंद्र काम कर रहे थे। इनमें एक सरकार की ओर से बना डिजिटल भूला–बिसरा केंद्र रहा जबकि दो स्वयंसेवी संगठनों ने संचालित किया। इनमें सबसे पुराना भारत सेवा केंद्र (1946) एवं हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति (1954) शामिल रहीं। भूले भटकों के लिए सबसे अधिक मददगार भारत सेवा केंद्र एवं हेमवती नंदन बहुगुणा समिति रहा।

भारत सेवा केंद्र संचालक उमेश चंद्र तिवारी के मुताबिक 12 जनवरी से आरंभ हुए केंद्र में बुधवार तक कुल 10,931 पुरुष एवं 8,100 महिलाओं समेत 17 बच्चे बिछड़े। हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति संचालक संत कुमार पांडेय के मुताबिक 10 जनवरी से 15 फरवरी के बीच 5500 महिलाओं एवं 24 बच्चों को उनके परिजनों से मिलाया। सिर्फ छह साल का बाबुल ही परिजनों तक नहीं पहुंच सका। उसे चाइल्ड लाइन में रखा गया है। वहीं, डिटिजल केंद्र के जरिये करीब 24 हजार लोग बिछुड़ने के बाद परिवार से मिले। यहां आने वालों में भी पुरुषों की संख्या अधिक रही।

किसी की पत्नी खोई, तो किसी का बेटा

आखिरी स्नान पर्व के दौरान भी भूले भटके केंद्र में अपनों से बिछुड़ जाने वालों की भीड़ रही। 24 परगना, बंगाल से आए संजय महापात्रा पत्नी खो गई। संजय ने कुछ देर तो उनको संगम घाट पर तलाशा लेकिन, वह नहीं मिलीं। रोते–बिलखते संजय नंगे बदन ही भारत सेवा केंद्र पहुंचे। आंखों में आंसू भरकर संजय शिविर संचालकों से गुहार लगाने रहे। कई घंटे तक वहां शिविर के बाहर ही खड़े रहे।

अलीगढ़ से आईं चंदा का नौ साल का बेटा विशाल भी संगम में स्नान के बाद घाट पर ही गुम हो गया। इकलौता बेटा के लापता होते ही चंदा बदहवास हो उठीं। काफी देर तक वह उसे संगम के आसपास तलाशती रहीं। किसी तरह भटकती हुईं वह भारत सेवा केंद्र पहुंचीं।

यहां करीब तीन घंटे बाद पुलिस वालों ने उद्घोषणा सुनकर बच्चे को वहां पहुंचाया। बच्चे को देखते ही मां चंदा ने उसे सीने से लगा लिया। काफी देर तक अपने बेटे से लिपटकर रोती रही। इसी तरह पूरे दिन ही यहां बिछुड़ने और मिलने वालों का तांता लगा रहा।

अर्जेंटीना से महाकुम्भ पहुंचा युवा जोड़ा

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के आकर्षण से विदेशी भी खूब प्रभावित हुए हैं। मेला के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर ऐसा ही एक नजारा दिखाई दिया, जब अर्जेंटीना का एक युवा जोड़ा मेला क्षेत्र में घूमता दिखा। वे बोल बम–बोल बम बोल रहे थे। दशाश्वमेध महादेव मंदिर के सामने दोनों श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बने थे। अना ठीकठाक हिंदी में बोलती हुई दिखाई दीं, उन्होंने बताया कि महाकुम्भ के बारे में बहुत कुछ सुनने को मिला है। इसलिए मैं और निकोलस ने यहां आने की योजना बनाई। रेस्टोरेंट संचालक निकोलस और फैशन डिजाइनर अना की शादी पिछले वर्ष क्रिसमस के दिन हुई थी। दोनों ने कहीं और घूमने की जगह महाकुम्भ में जाने का निर्णय लिया। अर्जेंटीना से फ्लाइट से दोनों 25 फरवरी को दिल्ली पहुंचे। फिर वहां से महाशिवरात्रि पर प्रयागराज आएं। यहां आने के बाद सबसे पहले संगम में जाकर डुबकी लगाई। उसके बाद मेला क्षेत्र में घूमते–घूमते दोनों दशाश्वमेध महादेव मंदिर के सामने पहुंचे। दशाश्वमेध महादेव मंदिर के मंदिर में दोनों ने दर्शन करने के साथ ही जलाभिषेक भी किया। यहां से निकलने के बाद दोनों ड्यूटी पर मुस्तैद पुलिसवालों से नागवासुकि मंदिर जाने का रास्ता पूछा। वहां जाकर भगवान नागवासुकि का भी दर्शन किया। अना बताती हैं कि महाकुम्भ की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है। हमें भी नदी में स्नान करना और भगवान का दर्शन करना बहुत अद्भुत लग रहा है। निकोलस ने बताया कि हमारे कई दोस्त यहां 26 जनवरी को आए थे। हमारी इच्छा भी पूरी हो गई। कल दिल्ली लौटना है। एक दिन दिल्ली घूमना है और उसके बाद अपने देश लौट जाएंगे।

एक ही पति पर दावा कर रहीं दो सगी बहनें, ऑफिस में दर्ज रिकॉर्ड के आधार पर कोर्ट करेगा फैसला

प्रयागराज। एटा की दो सगी बहनों ने मृतक आश्रित कोटे का लाभ लेने के लिए एक ही व्यक्ति की पत्नी होने का दावा किया है। दोनों ने खुद को मृतक कर्मचारी की असली पत्नी बताते हुए सेवजनित लाभ देने की मांग की है। एटा की दो सगी बहनों ने मृतक आश्रित कोटे का लाभ लेने के लिए एक ही व्यक्ति की पत्नी होने का दावा किया है। दोनों ने खुद को मृतक कर्मचारी की असली पत्नी बताते हुए सेवजनित लाभ देने की मांग की है। उनकी याचिकाओं पर सुनवाई के इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मृतक कर्मचारी की सर्विस बुक कोर्ट में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। गौरी शर्मा और स्नेहलता शर्मा की याचिकाओं पर न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया सुनवाई कर रहे हैं। इस मामले में जांच की जा रही है कि कौन मृतक की असली पत्नी है। बताया जा रहा है कि मृतक कर्मचारी चंद्रदेव शर्मा बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक थे। सेवा काल में उनकी मृत्यु हो गई। उनकी पत्नी स्नेहलता शर्मा ने पेंशन और फंड के प्रार्थना पत्र दिया। उसी समय उनकी सगी बहन गौरी शर्मा ने भी एक प्रार्थना पत्र पेंशन और फंड भुगतान के लिए दिया। दोनों बहनों ने दावा किया कि वह चंद्रदेव की विधिक पत्नी हैं। दोनों ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की।

शाह इस्लामिक लाइब्रेरी में 'मुस्लिम बच्चियों की शैक्षिक समस्याएं और उनके समाधान' विषय पर कार्यक्रम हुआ आयोजित!

मुजफ्फरनगर। मुस्लिम बच्चियों के दीन और आधुनिक शिक्षा के संस्थान दारुल बनातुस सालेहात का समापन दुआ कार्यक्रम शाह इस्लामिक लाइब्रेरी हॉल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का विषय ष्मुस्लिम बच्चियों की शैक्षिक समस्याएं और उनके समाधानष था। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता दारुल बनातुस सालेहात की नाजिमा आलिमा जैनब खदीजी ने की, जबकि संचालन संस्थान की छात्रा तहोरा रेहान ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत हाफ्सा दाऊद की तिलावत–ए–कुरान से हुई, जबकि हम्द संस्थान की शिक्षिका आमरिन मलिक और नात शरीफ शिक्षिका इकरा इसराईल ने पेश की। इस कार्यक्रम के संरक्षक कारी मोहम्मद खालिद बशीर कासमी रहे। उन्होंने अपने बयान में कहा कि दो साल पहले शाह इस्लामिक अकादमी के जिम्मेदारों ने मुस्लिम बच्चियों की शैक्षिक समस्याओं और जरूरतों को देखते हुए यह दीन और आधुनिक शिक्षा का संस्थान स्थापित किया था। प्रारंभ में यहां कुछ ही छात्राएं थीं, लेकिन लगातार मेहनत और प्रयास से यह शैक्षिक व्यवस्था आगे बढ़ी और आज सैकड़ों छात्राएं इस्लामी और आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रही हैं, जो निश्चित रूप से भविष्य में कामयाब होंगी। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय को खुद ही अपनी बच्चियों की शैक्षिक समस्याओं के समाधान तलाशने होंगे, अन्यथा इसकी बड़ी हानि होगी। उन्होंने शाह इस्लामिक अकादमी के तहत मुस्लिम बच्चियों के लिए इस्लामी माहौल में आधुनिक शिक्षा संस्थान स्थापित करने का संकल्प लिया और समाज के दानशील लोगों से इसमें प्राथमिकता के आधार पर सहयोग करने की अपील की। अंत में, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं संस्थान की नाजिमा, शिक्षिका जैनब खदीजी ने उपस्थित छात्राओं को नसीहत करते हुए कहा कि अल्लाह जिसे पसंद करता है, उसे अपने दीन की समझ अता करता है और दीन का ज्ञान प्राप्त करने और सिखाने के लिए उसे स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान बिना मेहनत के नहीं आता और मेहनत से प्राप्त किया गया ज्ञान कभी व्यर्थ नहीं जाता। छात्राओं को यह नसीहत दी गई कि वे ज्ञान को अल्लाह की मखलूक (प्रजा) की सेवा के लिए प्राप्त करें और उसका बदला सिर्फ अल्लाह से चाहें, इंसानों से नहीं। अंत में, शाह इस्लामिक अकादमी की ओर से सभी छात्राओं को इनाम के रूप में दीन की किताबें दी गईं और शिक्षिकाओं को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन दुआ के साथ हुआ।

चार दिन बाद भी शशांक के हत्यारे पकड़ से दूर

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के फव्वारा चौराहे के समीप चार दिन पहले 24 फरवरी की रात सरेआम शशांक सिंह की गोली मार की निर्मम हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने छह नामजद व चार अज्ञात के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया है। पुलिस की तीन टीमें गठित की गई है। इसके बावजूद घटना के चार दिन बाद भी हत्यारोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इसको लेकर मृतक के परिजनों में नाराजगी बनी हुई है। नवाबगंज निवासी शिवकुमार यादव के पुत्र 24 वर्षीय शशांक सिंह की गर्ल फ्रेंड के विवाद में उसके पूर्व मित्र शुभम उपाध्याय ने अपने साथियों के साथ मिलकर गोली मार दी थी। शशांक सीएमपी कॉलेज में बीएससी का छात्र था। साथ ही एक फाइनेंस कंपनी में काम भी करता था। मृतक के मामा सचिन यादव की तहरीर पर मुख्य आरोपी शुभम उपाध्याय सहित सूरजभान, देवेश, अतुल सिंह यादव, शंशाक पंडित, यश पांडेय और चार अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई है। इसके अलावा एसओजी व सर्विलांस टीम भी लगी हुई हैं। फव्वारा चौराहे के सीसीटीवी कैमरे में मुख्य आरोपी शुभम उपाध्याय द्वारा गोली चलाने का फुटेज मिला है। वहीं भाजपा का झंडा लगे स्कार्पियो का नंबर प्लेट जांच में फर्जी होने की पुष्टि हुई है। मुख्य आरोपी शुभम उपाध्याय का आखिरी लोकेशन भुगियामऊ प्रतापगढ़ मिला था। इसके बाद कोई लोकेशन नहीं मिल सका है। पुलिस प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, चित्रकूट सहित अन्य जिलों में तलाश कर रही है। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोलकोता के रंजीत लोगों को बांटेंगे 15 लीटर गंगा जल

महाकुम्भ नगर। सच ही कहा गया है कि गंगा तेरा पानी अमृत..। पतित पावनी, मोक्षदायिनी गंगा का एक–एक बूंद अमृत तुल्य है। इसीलिए महाशिवरात्रियों पर स्नान के लिए कोलकाता से आए रंजीत कुमार पाल की मां गंगा के प्रति आस्था इतनी प्रबल रही कि उन्होंने दो–चार नहीं बल्कि 15 लीटर गंगाजल स्नान के बाद बिना वस्त्र बदले लिए सिर पर रखकर ले गए। रंजीत की बस नेहरू पार्क के पास खड़ी थी। उन्होंने बताया कि गांव में रिश्तेदारों को गंगा जल का प्रसाद बांटा जायेगा। जो लोग महाकुम्भ नहीं पाए हैं उन्होंने गंगा जल का प्रसाद मंगवाया है। रंजीत के अनुसार गांव के दुर्गा मंदिर में गंगा जल रखा जाएगा उसके बाद विधिविधान से पूजन–अर्चन के बाद गंगा जल का प्रसाद वितरण किया जाएगा।

अब वीडियो-फोटो से होगी ऑटिज्म प्रभावित बच्चों की पहचान

प्रयागराज। अब वीडियो और फोटो के माध्यम से ऑटिज्म प्रभावित बच्चों की पहचान करना संभव होगा। जी हां, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) के वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर विकसित किया है। जिसमें बच्चे का वीडियो और फोटो को अपलोड करना होगा। यह सॉफ्टवेयर मशीन लर्निंग प्रोग्राम पर आधारित है, जो वीडियो से मिले डाटा के आधार पर ऑटिज्म की पहचान करेगा। यह सॉफ्टवेयर वीडियो और फोटो के माध्यम से बच्चे के व्यवहार और लक्षणों का विश्लेषण करेगा तथा ऑटिज्म की संभावना का पता लगाएगा। यह तकनीक बच्चों के लिए जल्दी और सटीक निदान की अनुमति देगी, जिससे उन्हें उचित उपचार और सहायता प्रदान की जा सकेगी। इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) विभाग के प्रो. वृजेंद्र सिंह के साथ तृप्ति श्रीवास्तव ने भी शोध कार्य में सहयोग किया है। प्रो. सिंह ने बताया कि इस सॉफ्टवेयर की मदद से डॉक्टर और विशेषज्ञ बच्चे के व्यवहार, मुद्राओं और अन्य लक्षणों का विश्लेषण कर सकेंगे तथा ऑटिज्म की संभावना का पता लगा सकेंगे। ऑटिज्म पीड़ित बच्चे अपनी भावनाओं को प्रदर्शित नहीं कर पाते हैं, इससे वह परेशान होते हैं। खासतौर पर वह सोशल वीडियो पर केंद्रित नहीं होते हैं। यानी जिस वीडियो में इंसानों की मौजूदगी होती है वह उधर से नजर हटा लेते हैं और इंसानों की गैर मौजूदगी वाली वीडियो के प्रति आकर्षित होते हैं। इस व्यवहार के आधार पर कंप्यूटर विजन तकनीक का प्रयोग किया गया।

महाकुम्भ थानों में दर्ज मामले अब प्रयागराज होंगे स्थानांतरित

महाकुम्भ नगर। आखिरकार महाकुम्भ के 45 दिन की घड़ी पूरी हो गई। तमाम उतार–चढ़ाव और करोड़ों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का प्रतीक बनी महाकुम्भ में कई मामले भी दर्ज हुए। खासकर सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें, वीडियो व फोटो खूब चर्चा में रही। इस पर कुम्भ पुलिस ने 137 सोशल मीडिया एकाउंट के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की। इसके अलावा साइबर ठगी, चोरी, छिनैती, उचक्कागीरी व मारपीट तक के मामले भी मेला के विभिन्न थानों में दर्ज किए गए हैं।

महाकुम्भ में पाँच दिवसीय विधिक साक्षरता व जागरूकता कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन

प्रयागराज। विधिक सहायता एवं सेवा केंद्र,सी एम पी डिग्री कॉलेज ने महाकुंभ मेले में कॉलेज के हीरक जयंती के अवसर पर पाँच दिवसीय विधिक साक्षरता व जागरूकता कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से डॉ आर डी किशोर,संयोजक–विधिक सेवा केंद्र के नेतृत्व में सभी स्वयंसेवकों ने कुंभ मेला क्षेत्र में स्थित तमाम

कैंपों में जा–जाकर विधिक साक्षरता व जागरूकता फैलाया। इस कार्यक्रम का उद्‌घाटन माननीय न्यायमूर्ती श्री जे जे मुनीर ने 22 फरवरी 2025 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कैंप से किया, जिसका सफलता पूर्वक समापन आज दिनांक 27 फरवरी को मेला क्षेत्र में स्थित स्वदेशी कुम्भ के कैम्प में विधिक साक्षरता व जागरूकता फैलाकर किया गया। इस अवसर पर भारी मात्रा में श्रद्धालु व विद्यार्थी उपस्थित थे।

दुकानदार के मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी, हड़कंप

मोरना। शादी मे शामिल होने गये किरयाना दुकानदार के परिवार के मकान मे घुसकर चोरों ने बंद कमरे का तोड़ने के बाद सेल्फ अलमारी का ताला तोड़ उसमे रखे सोने चांदी के जेवरात सहित हजारों की नकदी को चुरा लिया।चोरी की घटना से हड़कंप मच गया है। पीड़ित ने चोरी हुए सामान की बरामदगी की फरियाद पुलिस से लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के मोरना मार्ग

पर चीनी मिल के सामने प्रदीप किरयाना की दुकान चलाता है। पास मे ही उसने मकान बनाया हुआ है।बुधवार की सुबह उसका परिवार सरधना मे आयोजित पत्नी की बहन की शादी समारोह मे शामिल होने गया था। शाम के समय जब वह वापस घर लौटे तो कमरे का ताला टूटा देख परिवार सन्न रह गया। चोरो ने सेल्फ अलमारी का ताला तोड़कर वहां रखे सोने की दो अंगूठी, ओम की आकृति, व चांदी के आभूषण सहित बीस हजार की नकदी को चुरा लिया।नरेन्द्र ने बताया की मकान मे गन्ने की पत्तीयां पड़ी मिली हैं।चोर मकान के पीछे स्थित खेतो से घर मे घुसे होंगे। किरायाना दुकानदार के मकान मे हुई चोरी की घटना से हड़कंप मच गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी की। पीड़ित ने घटना के खुलासे की फरियाद लगाई है।

डी एस पब्लिक स्कूल ने किया अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को नमन

गुरुवार। आज यहां डी एस पब्लिक स्कूल में मां भारती के अमर सपूत एवं महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद को उनके बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धा पूर्वक नमन करते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। स्कूल एजुकेशन डायरेक्टर श्रीमती संतोष जैन तथा स्कूल प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा सहित सभी शिक्षक –शिक्षिकाओं ने महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हे भावपूर्वक नमन किया। इस अवसर पर स्कूल एजुकेशन डायरेक्टर श्रीमती संतोष जैन ने महान क्रांतिकारी, अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जीवन तथा देश सेवा के लिए उनके त्याग एवं बलिदान के विषय में विस्तार से बताया। क्रांति के सिरमौर शहीद चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए एवं उनको श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उन्होंने कहा कि आजाद वीरता, त्याग, बलिदान एवं साहस का ऐसा उदाहरण है जो इतिहास में मुश्किल से ही मिलता है। चंद्रशेखर आजाद ने अंग्रेजो के खिलाफ क्रांति की लड़ाई लड़ने के लिए क्रांतिकारियों का मजबूतध संगठन खड़ा किया। भगत सिंह, राजगुरु ,सुखदेव जैसे

क्रांतिकारियों को साथ लेकर उन्होंने ब्रिटिश सरकार की जड़ें हिला दी। आजाद और उनका संगठन अंग्रेजों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए थे। आजाद ने देशवासियों के अंदर अन्याय एवं अत्याचार से लड़ने का जोश पैदा किया। वह एक महान देशभक्त एक कुशल रणनीतिकार तथा एक सच्चे समाजसेवी थे। भारत भूमि ऐसे वीर पुरुष की युगो युगो तक ऋणी रहेगी।स्कूल प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने भी भी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर भावपूर्वक पुष्प अर्पित करते हुए तथा उन्हें नमन करते हुए उनकी वीरता, साहस एवं उनके बलिदान का बखान किया। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद की क्रांतिकारी गतिविधियों को बताते हुए कहा कि चंद्रशेखर आजाद के देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाते हुए अपने साथियों के साथ काकोरी एक्शन तथा लाला लाजपत राय की हत्या का बदला लेने के लिए सांडर्स वध, दिल्ली असेंबली बम एक्शन जैसे क्रांतिकारी कारनामों से अंग्रेज सरकार में उनके नाम से ही भय हो गया था । चंद्रशेखर आजाद के शौर्य साहस एवं वीरता का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि चन्द्रशेखर आजाद ने वीरता की नई परिभाषा लिखी । उनके बलिदान के बाद उनके द्वारा प्रारम्भ किया गया आन्दोलन और तेज हो गया, उनसे प्रेरणा लेकर हजारों युवक स्ध्वतन्त्रता आन्दोलन में कूद पड़े तथा उनके बलिदान के 16 वर्ष बाद देश की स्वतंत्रता का उनका सपना पूरा हुआ। उन्होंने सभी से चंद्रशेखर आजाद की वीरता देशभक्ति एवं आदर्श से प्रेरणा लेकर देश सेवा के लिए हमेशा तन मन धन से समर्पित रहने को कहा।

कोतवाल की गुंडाई के खिलाफ भाकियू ने दिया थाने पर धरना प्रदर्शन

–कोतवाल को हटाए जाने की मांग

खतौली। गलत प्रश्न पत्र छात्राओं को दिए जाने की जानकारी के बाद उनकी आवाज उठाने पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं के साथ कोतवाल ने अभद्रता की। जिससे नाराज भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने खतौली थाने पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने कोतवाल को हटाए जाने की मांग की। कबूल कन्या इंटर कॉलेज में बोर्ड परीक्षा के दौरान सामान्य हिंदी के बजाय साहित्यिक हिंदी का पेपर 7 छात्राओं को थमा दिया गया था। मामले की जानकारी पर भारतीय किसान यूनियन टिकट के पदाधिकारी अंकुश प्रधान अपने समर्थकों के साथ कबूल कन्या इंटर कॉलेज पहुंचे थे। वहीं पर खतौली कोतवाल बृजेश कुमार शर्मा ने भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं से अभद्रता करते हुए लाठी का रोब गालिब किया था। इसी बात से नाराज भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष नवीन राठी ने थाना परिसर में 72 घंटे तक धरना प्रदर्शन किए जाने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि 72 घंटे से पहले किसी भी प्रकार की पुलिस प्रशासन से वार्ता नहीं की जाएगी। जयप्रकाश शास्त्री ने कहा कि पुलिस की इस प्रकार की गुंडई बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता की तो बात छोड़ो, किसी आमजन के साथ भी यदि अभद्रता होगी, तो वह भी बर्दाश्त नहीं होगी।

रणधोल राठी ने कहा कि पुलिस बेलगाम हो रही है। थानों में सीधे–साधे व्यक्तियों के साथ भी अभद्रता की जाती है। न्याय से पुलिस कोसों दूर है। प्रमोद अहलावत ने कहा कि जब तक खतौली कोतवाल नहीं हटेगा, तब तक धरना लगातार जारी रहेगा। नीरज पहलवान ने कहा कि कोतवाल ने भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता से अभद्रता की थी, अब सैकड़ो कार्यकर्ता थाना परिसर में बैठे हैं, यदि कोतवाल में दम है तो अब आकर किसी के साथ अभद्रता कर कर दिखाएं। अशोक घटायन, कपिल सोम, राहुल अहलावत, रोशन पंडित, राकेश चौधरी, सत्येंद्र चौहान, अंकुश प्रधान ने भी बिजली के मोटर चोरी होने, तहसील में कार्यों के नाम पर अवैध वसूली होने की बात को जोर–जोर से उठाया। मौके पर पहुंचे रामाशीष यादव ने भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं से वार्ता करने का प्रयास किया, लेकिन वार्ता विफल रही। वक्ताओं ने कहा कि जंगल राज चल रहा है, हम धरने पर बैठे हैं पीठ नहीं दिखाएंगे पुलिस यदि गोली चलाएगी तो हम छाती पर खाएंगे। जरूरत पड़ी तो जेल भी भरेंगे, लेकिन किसान मजदूर का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धरने की अध्यक्षता बलजोर सिंह गुरूजी तथा संचालन सचिन चौधरी ने किया।

सुरम्य बरसाना के अलौकिक सौंदर्य पर भारी 'अधकुचला' विकास

– बरसाना पहाड़ी पर घाटी की तरफ दरार बढ़ा रहीं चिंता

–पहाड़ी में भारी वाहनों के चलने से आ रही दरारें, बन रहे गड्ढे

मथुरा। सुरम्य बरसाना के अलौकिक सौंदर्य पर अनियोजित और अनियंत्रित विकास भारी पड रहा है। आध्यात्मिक ब्रह्मांचल पर्वत पर दरारें आ रही हैं और गड्ढे बन रहे हैं। पहाडी की गोद में पले ग्रामीण इसे बखूबी महसूस कर रहे हैं। वह शिकायत कर रहे हैं लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह वही पहाड़ी है जिस पर राधारानी, जयपुर मंदिर जैसे विश्व विख्यात मंदिर बने हुए हैं। गोवर्धन पर्वत और बरसाना का ब्रह्मांचल पर्व ब्रज में ब्रज में जीवित देव माने जाते हैं। विश्व प्रसिद्ध श्रीराधारानी मन्दिर तक जाने वाले रास्ते जो यादव मौहल्ला तिराहा से जयपुर मन्दिर बरसाना में चलने वाली गाड़ियों से श्रृद्धालुओं व स्थानीय निवासीयों को बडी परेशानी झेलनी पड़ रही है। वहीं भारी और बड़ी गाडियां चलने के कारण पहाड़ी रास्ते खराब व घाटी की तरफ दरारें पड़ रही है जो बड़ी घटना का संकेत बन रही है। जयपुर मन्दिर मार्ग से प्रतिदिन पैदल चलने वाले हजारों की संख्या में

श्रृद्धालुओं को इसी मार्ग से श्रीराधारानी मन्दिर तक पहुंचते हैं। विकास प्राधिकरण मथुरा वृन्दावन द्वारा पैदल चलने वाले यात्रियों के लिए लगाये गये टीन सैट (शैड) से जहाँ यात्रियों को बेहतर सुविधा मिली है, वहीं चार पहिया गाड़ियों के इस मार्ग पर चलने की वजह से पैदल यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जैसे सरकार द्वारा तीर्थ स्थल वृन्दावन और गोवर्धन कस्बा के अन्दर चार पहिया वाहनों व बाहर से आने वाली सभी गाड़ियों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगया गया है, उसी तरह बरसाना में भी बहार से आने वाले सभी चार पाइय्या वहान पर रोक लगनी चाहिये। इन वाहनों की वजह से स्थानीय लोगों व श्रृद्धालुओं को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। जबकि सरकार द्वारा पहले से ही वृद्धजनों व बालकों व चलने में असहाय लोगों के लिए रोपवे बना दिया गया है। जयपुर मन्दिर पार्किंग का क्षेत्रफल काफी कम और सकरा होने की वजह से गाडियां भी ठीक से पर्याप्त गाड़ी खड़ी नहीं हो पाती है। इसी कारण छोटी परिक्रमा व बडी परिक्रमा में वाहनों की लम्बी कतारें रोड़ पर घण्टों खडी रहती हैं। जिससे लम्बा जाम कई कई घंटे लगा रहता है। छोटी परिक्रमा व बड़ी परिक्रमा और ढण्डोती लगाने वालों के सामने इन वहानों के जाम की वजह से निकला व चलना दुष्कर हो जाता है। चार पहिया वाहनों की वजह से श्रृद्धालुओं और स्थानीय लोगों को बडी पीडा उठानी पडती है, सैकड़ों वर्षों से जयपुर मन्दिर में पीछे से पुरानी परिक्रमा होने के कारण परिक्रमार्थीयों को निकलते समय ये गाडियाँ अवरोध व परेशानी पैदा करती हैं। बरसाना वासियों ने कहा कि पदम ठाकुर, गंगो ठाकुर, रमेश ठाकुर, सुरेश, भगवत, श्यामसुंदर, सभासद प्रतिनिधि राकेश, सभासद श्रीराम, भूरा यादव, अभिमन्यु यादव, विष्णु ठाकुर, हरिओम ठाकुर, ईश्वर चन्द आदि ने मांग की है कि इस पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए जिससे बरसाना का मूल स्वरूप बचा रहे।

भेदभाव अत्याचार व अधिकारों का हनन जिसके साथ समाजवादी पार्टी उसके साथ : सांसद हरेंन्द्र मलिक

'सपा राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा द्वारा आयोजित पीडीए चर्चा कार्यक्रम में भारी संख्या में जुटे समर्थक'

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर चलाए जा रहे समाजवादी पीडीए चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत मुजफ्फरनगर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओ का पीडीए चर्चा कार्यक्रम समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा द्वारा समाजवादी पार्टी कार्यालय पर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट तथा संचालन समाजवादी पार्टी जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय महासचिव व मुजफ्फरनगर लोकसभा सांसद हरेंन्द्र मलिक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के लिए हर वह व्यक्ति पिछड़ा है चाहे उसकी कोई जाति हो जिसके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। जिसकी आर्थिक स्थिति सही नहीं है तथा जिसके साथ भेदभाव करते हुए कानून की मदद नहीं दी जा रही है समाजवादी पार्टी उसको पीडीए मानती है।

सपा सांसद हरेंद्र मलिक ने कहा की जिनकी संख्या कम मानकर उस पर अत्याचार व सरकार का उत्पीड़न है समाजवादी पार्टी हर उस व्यक्ति को अल्पसंख्यक मानती है तथा उनके अधिकारों भेदभाव उत्पीड़न के विरुद्ध समाजवादी पार्टी आवाज बनकर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने भाजपा

को सचेत करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की ताकत को कमजोर समझने की भूल मत करें समाजवादी पार्टी के साथ जनमत है जिसका प्रदर्शन लोकसभा चुनाव में दिख चुका है। भाजपा की तानाशाही को जनता बर्दाश्त नहीं करेगी।

समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट ने कहा कि पूरे जनपद में पीडीए चर्चा कार्यक्रम पूरी सफलता के साथ कार्यकर्ताओं की मेहनत के बलबूते जोर–शोर से हुए हैं जिसके जरिए सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का संदेश पूरे जनपद में पहुंचा है इसके लिए समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं।

कार्यक्रम आयोजक समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि जन विरोधी नीतियों तथा किसानों मजदूरों युवाओं महिलाओं के अधिकारों के हनन से भाजपा का जनाधार सिमट रहा है। आने वाला वक्त समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत सरकार का है जहां भी अत्याचार उत्पीड़न तानाशाही भाजपा सरकार द्वारा कि जाएगी समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता वँहा पर खड़े नजर आएंगे।

कार्यक्रम को समाजवादी पार्टी महानगर अध्यक्ष पुष्पेंद्र बॉबी त्यागी समाजवादी पार्टी जिला महासचिव चौधरी विकिल गोल्डी अहलावत प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तहसीन मंसूरी जिला उपाध्यक्ष पवन बंसल रमेश चंद शर्मा विधानसभा अध्यक्ष डॉ अविनाश कपिल द्वारा भी सम्बोधित किया गया। कार्यक्रम में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा जिला अध्यक्ष अब्दुल्ला कुरैशी समाजवादी शिक्षक सभा जिला अध्यक्ष अक्षय चौधरी समाजवादी पार्टी सभासद नदीम खान सभासद अन्नू कुरैशी सभासद हबीब राणा सभासद शाहिद आलम सभासद शहजाद अली सभासद सलीम राणा सभासद सुंदर सिंह सभासद सत्तर मंसूरी सपा नेता सरदार तरनजीत सिंह रामपाल सिंह पाल डॉ अली शेर अंसारी मुकेश वशिष्ठ पवन गिरी जॉनी अरोड़ा संजय गोस्वामी, यामीन मंसूरी, विजेंद्र शर्मा सत्य प्रकाश शर्मा दिनेश शर्मा बबलू शर्मा अमित अरोड़ा राहुल राणा प्रदीप पाल राजीव शर्मा शाहिद अहमद फरमान चौधरी आदित्य कोहली सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

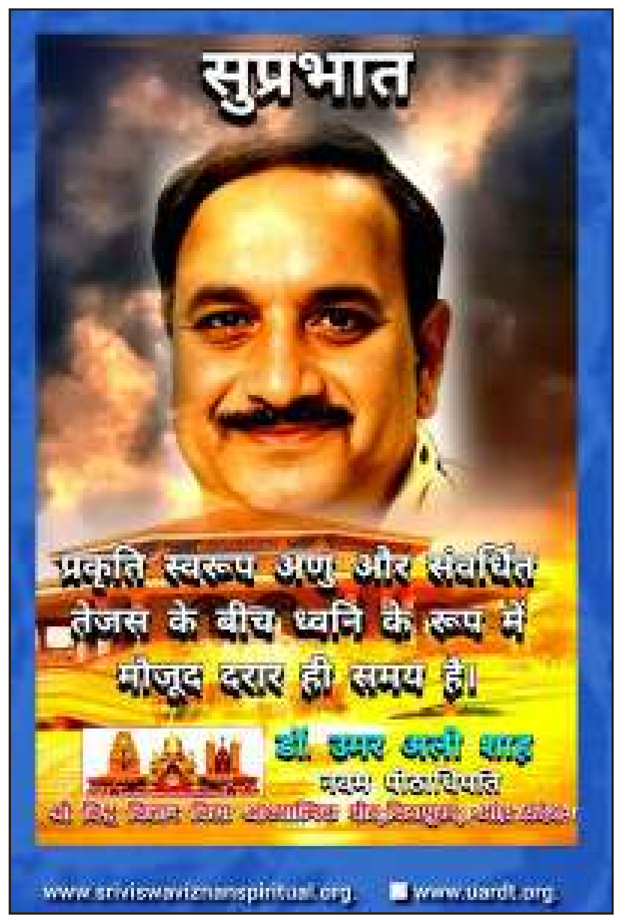

फागुन आ गया

(कुण्डलिया)

उपवन में हैं तितलियाँ,भौंरे, फूल अनेक।
देखो फागुन आ गया,रंग हो गये एक।
रंग हो गये एक,सुहाना मौसम आया।
रिश्तों का अनुराग, दिलों को देता छाया।
सुनकर कहें प्रदीप, चूड़ियाँ की अब खन खन।
आँगन है गुलजार, गमकते सारे उपवन। ।

गुलमोहर से रंग लें,अरु गुलाब से गन्ध।
फागुन अनुबन्धित हुआ,प्रीत–प्रेम के बन्ध।
प्रीत–प्रेम के बन्ध,रंग की महिमा गाते।
ऊर्जा से भरपूर, दिखे सब रिश्ते–नाते।
सुन लो कहें प्रदीप,बोल हो गौहर–गौहर।
लिखते नव अध्याय,पढ़े जब वह गुलमोहर। ।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

दलित परिवार को न्याय का दिलाया भरोसा

मुजफ्फरनगर। लोजपा (आर) के प0 उत्तरप्रदेश के अध्यक्ष पवन वर्मा ने मथुरा में दलित परिवार के साथ हुए अन्याय की दलित परिवार से प्रकरण की ली जानकारी न्याय का दिलाया भरोसा मथुरा, लोकजनशक्ति पार्टी (आर) के प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा के निर्देश पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष नितिन भाटी के नेतृत्व में मथुरा व अलुगढ़ के जिलाध्यक्ष मथुरा में दलित परिवार के साथ

हुए अन्याय की जानकारी लेने पीड़ित परिवार के पास पहुचे जहा उन्होंने पीड़ित परिवार से मिलकर पूरी जानकारी प्राप्त की साथ ही टेलीफोन पर प्रदेश अध्यक्ष को पूरे प्रकरण की जानकारी दी जिसपर प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा ने पीड़ित परिवार को पूर्ण आश्वसान दिया कि न्याय मिलने तक पार्टी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी । न्याय दिलाने के लिये पार्टी के रस्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री मा0 चिराग पासवान जी को भी पूरे प्रकरण की जानकारी दी जाएगी पीड़ित को न्याय दिलाया जाएगा चाहे इसके लिये पार्टी को पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन ही क्यो न करना पड़े। मथुरा पहुचे प्रदेश उपाध्यक्ष नितिन भाटी मथुरा जिलाध्यश मोनु चौधरी, अलीगढ़ जिलाध्यक्ष राजकुमार पहलवान ने पीड़ित को हर सम्भव न्याय का आश्वाशन दिया।

एनसीसी बटालियन का मेरठ परिक्षेत्र ग्रुप कमांडर ने किया वार्षिक निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। मेरठ परिक्षेत्र के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर नवीन राठी ने 82 यूपी एनसीसी बटालियन मुजफ्फरनगर का वार्षिक निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।इस अवसर पर कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका सम्मान किया गया। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रवीण भाल ने उनकी अगुवाई की।' 'बृहस्पतिवार को मेरठ परिक्षेत्र के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर नवीन राठी ने कहा कि एनसीसी विश्व का सबसे बड़ा अनुशासित एवं अद्वितीय संगठन है। देश की द्वितीय रक्षा पंक्ति के रूप में एनसीसी कैडेट्स देश एवं समाज सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। देश के विभिन्न सीमावर्ती राज्यों में एनसीसी का विस्तार हो रहा है। इससे पूर्व कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका सम्मान किया गया। इसके बाद उन्होंने विभिन्न स्कूल कालेजों के सहयोगी एनसीसी आफिसर्स का परिचय प्राप्त किया और एनसीसी पाठ्यक्रम सहित विभिन्न नवीन बदलावों की जानकारी प्राप्त की।इस दौरान उन्होंने शस्त्रागार, लाईन एरिया, स्टाफ की ब्रीफिंग,मेंसिंग एरिया तथा चौ छोटूराम महाविद्यालय की फायरिंग रेंज पर हथियारों के प्रशिक्षण की जानकारी हासिल कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। तत्पश्चात डीएवी महाविद्यालय में सहयोगी एनसीसी आफिसर्स एवं पीआई द्वारा विविध विषयों पर दिए गए प्रस्तुतीकरण को देखा। ष्प्रश्नोत्तरी प्रजेंटेशनष में कैडेट्स ने अपनी जिज्ञासाओं के बारे में प्रासंगिक जानकारी हासिल की। आगंतुक पुस्तिका में ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर नवीन राठी ने मुजफ्फरनगर बटालियन की सराहना करते हुए सभी व्यवस्थाओं की तारीफ की।कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रवीण भाल ने कहा कि आधुनिक परिवेश में एनसीसी कैरियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एनसीसी से प्रशिक्षित ए,बी एवं सी प्रमाण–पत्र धारी कैडेट्स सेना सहित विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

सम्पादकीय.......

साइबर मकड़जाल

यह खबर परेशान करने वाली है कि म्यांमार और पूर्वी एशिया के कई देशों से जो संगठित साइबर अपराध संचालित हो रहे हैं, उनके चंगुल में बड़ी संख्या में भारतीय युवा भी हैं। हाल ही में म्यांमार के दुर्गम इलाकों में बनाये गए साइबर अपराधियों के अड्डों से सत्तर भारतीय युवाओं को छुड़ाया गया है। जिनको डरा–धमकाकर भारत में साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिये इस्तेमाल किया जाता था। बताया जाता है साल 2022 के बाद म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया आदि से छह सौ से अधिक भारतीयों को अपराधियों के चंगुल से बचाया जा चुका है। आशंका है कि कई हजार भारतीय युवा म्यांमार समेत विभिन्न देशों में साइबर अपराधियों के अड्डों में जबरन रोके गए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय युवा प्रतिभाएं दलालों की साजिश से संगठित साइबर अपराध करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अपराधियों के चंगुल में फंस जाती हैं। विडंबना ही है कि हम अपने युवाओं को न तो रोजगार दे पा रहे हैं और न ही विदेशों में अपना भविष्य संवारने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को फर्जी एजेंटों के चंगुल से बचा पा रहे हैं। आखिर हमारी एजेंसियां ऐसी धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों पर नकेल क्यों नहीं कस पा रही हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं कि युवा अपनी जमीन बेचकर व कर्ज उठाकर विदेश जाते हैं, लेकिन एजेंटों की धोखाधड़ी से वे साइबर अपराधियों के शिकंजे में फंस जाते हैं। दरअसल, साइबर अपराधियों का मकड़जाल इतना मजबूत हो चुका है कि बिना अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के उन पर नियंत्रण कर पाना संभव न होगा। ऐसे वक्त में जब साइबर अपराधियों का नेटवर्क दुनिया की आर्थिकी को चूना लगा रहा है, मिल–जुलकर इनके खिलाफ अभियान चलाना वक्त की जरूरत है। निश्चित रूप से यह एक विकट संकट है, जिसे दुनिया के देशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यह जानते हुए कि साइबर अपराधियों का संगठन लगातार ताकतवर होता जा रहा है और वे समानांतर काली अर्थव्यवस्था चला रहे हैं। दरअसल, हो यह रहा है कि देश–दुनिया में ऑनलाइन फ्रॉड लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वे सुनहरे सपने दिखाकर बेरोजगार युवाओं को फंसाते हैं। उन्हें जगह कोई और बतायी जाती है और अंततरू साइबर अपराधियों के अड्डों पर पहुंचा दिया जाता है। युवाओं के पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं। ये अड्डे ऐसी जगहों पर होते हैं कि उस देश की पुलिस की पकड़ में वे आसानी से नहीं आते। हाल के वर्षों में साइबर अपराधी इतने चतुर–चालाक हो गए हैं कि निगरानी करने वाली एजेंसियों की पकड़ से आसानी से बच जाते हैं। हाल ही में जिन सत्तर भारतीयों को म्यांमार में साइबर अपराधियों के चंगुल से मुक्त कराया गया, उसमें म्यांमार के सीमा सुरक्षा बल की बड़ी भूमिका रही है। इन मुक्त कराए गए भारतीयों में पंजाब, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना,यूपी व राजस्थान आदि राज्यों के लोग थे। इसी तरह म्यांमार व अन्य पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसे हुए भारतीयों को मुक्त कराने के लिए इन देशों की सरकारों से सहयोग मांगा जाना चाहिए। निश्चित तौर पर साइबर अपराधियों द्वारा संचालित अपराधों की लगातार मजबूत होती काली अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया की आर्थिक व कानूनी सुरक्षा के लिये चुनौती है। दरअसल, इस काले धन से नशे के कारोबार, आतंकवाद और मानवीय तस्करी जैसे अपराधों को अंजाम दिया जाता है। इस संगठित आपराधिक नेटवर्क पर अविलंब अंकुश लगाने की जरूरत है। जिससे न केवल एक तरह से बंधक बनाये गए युवाओं को मुक्त कराया जा सकेगा बल्कि तेजी से बढ़ती ऑनलाइन ठगी पर अंकुश लग सकेगा। दरअसल, इन साइबर अपराधियों की ऑनलाइन धोखाधड़ी के कारण हर साल कई ट्रिलियन डॉलर का नुकसान विभिन्न देशों की सरकारों को हो रहा है। जो दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की जीडीपी के बराबर है। निश्चित तौर पर यह धनराशि दूसरे अपराधों को सींचने में खर्च की जाएगी। एक ओर जहां देश में युवाओं के विदेश जाने वाली व्यवस्था को पारदर्शी व तार्किक बनाने की जरूरत है, वहीं विदेश में भविष्य चमकाने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को जागरूक व सतर्क करने की जरूरत है ताकि वे साइबर अपराधियों के चंगुल में न फंसें।

कम्पनियों को जंगलों में प्रवेश देने से भयभीत वन निवासी

राज कुमार सिन्हा

प्रकृति को सुधारने के नाम पर मुनाफा कमाते हुए पूंजी बढ़ाने की तरकीब है – 'कार्बन व्यापार' या कार्बन ट्रेडिंग। वर्ष 2021 में वैश्विक कार्बन क्रेडिट बाजार में 164 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वर्ष 2030 तक इसके 100 बिलियन अमेरिकी डालर पार करने की उम्मीद है।

आधुनिक व्यापार–व्यवसाय ने अब तेजी से प्राकृतिक संसाधनों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। जंगल, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई परिभाषा के मुताबिक केवल रिकॉर्ड में दर्ज होना ही काफी है, निजी कंपनियों को दिए जा रहे हैं। वन बहुल मध्यप्रदेश की सरकार धीरे–धीरे जंगलों को निजी हाथों में सोंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वर्तमान में फिर से मध्यप्रदेश सरकार ने वनीकरण के लिए बिगड़े वन भूमि को ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण के लिए निजी निवेशकों को सौंपने की योजना बनाई है, जिसमें निवेशकों को 50 प्रतिशत लघु वनोपज बेचने का अधिकार भी शामिल होगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार,17 राज्यों ने अब तक ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण के लिए 57,700 हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि को अलग रखा है। मध्यप्रदेश जो देश में सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है। उसने 2 फरवरी तक इस कार्यक्रम के लिए 15,200 हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि की पहचान और उसका पंजीकरण किया है जो सभी राज्यों से अधिक है, ऐसा सरकार ने वर्तमान संसद सत्र में बताया है। कोरोना काल में मध्यप्रदेश सरकार के प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय ने 20 अक्टूबर 2020 को 37 लाख हेक्टेयर बिगड़े वनों को पब्लिक–प्राइवेट–पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर निजी कम्पनियों को देने का आदेश जारी किया था, परन्तु विरोध के बाद इसे रोका गया। प्रकृति को सुधारने के नाम पर मुनाफा कमाते हुए पूंजी बढ़ाने की तरकीब है – 'कार्बन व्यापार' या कार्बन ट्रेडिंग। वर्ष 2021 में वैश्विक कार्बन क्रेडिट बाजार में 164 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वर्ष 2030 तक इसके 100 बिलियन अमेरिकी डालर पार करने की उम्मीद है। कार्बन व्यापार के जरिए (वनीकरण करके) अन्तराष्ट्रीय बाजार से करोड़ों रुपए कमाना प्राथमिकता में है। भारत सरकार ने 2008 से 12 के बीच बिगड़े वन, गांव का चारागाह एवं पड़त–जमीन पर वनीकरण कर "कार्बन क्रेडिट" के जरिए 1250 लाख डॉलर कमाने की योजना बनाई थी। विश्वबैंक के आंकलन के अनुसार लकड़ी, बांस एवं अकाष्ठीय वनोत्पाद का मूल्य 20,000 लाख डॉलर है। संयुक्त वन प्रबंधन इलाके के पारिस्थितिकीय एवं पर्यावरणीय टूरिज्म का मूल्य 17,000 लाख डॉलर आंका जा रहा है।ग्रीन इंडिया मिशन और रिड्यूसिंग एमिशन फ्रॉम डिफारेस्ट्रेशन एण्ड डिग्रेडेशन (आरईडीडी), जिसे संक्षिप्त में रेड कहा जाता है, के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अन्तराष्ट्रीय पूंजी लाने की योजना है। पर्यावरण बचाने के नाम पर विश्व बाजार तैयार करना भी अन्तरराष्ट्रीय पूंजी का हिस्सा हो गया है। अब तो "एनजीओ" भी आदिवासियों को उनके कब्जे की भूमि से बेदखल कर वृक्षारोपण करने का कार्यक्रम चला रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के मानपुर और ताला विकास खंड में आया है, जहां एक संस्था द्वारा आदिवासियों को उनकी वनाधिकार कानून के दावे वाली वनभूमि से हटाकर वृक्षारोपण करने की शिकायत मिली है। पर्यावरण बचाने के नाम पर ध्यान भी बहुत है, लेकिन पूंजीवादी सोच के कारण सब कुछ व्यापारिक दृष्टिकोण से किया जा रहा है। इससे न तो जंगल और न ही पर्यावरण बच पा रहा है। मध्यप्रदेश में कुल 52,739 गांवों में से 22,600 गांव या तो जंगल में बसे हैं या फिर जंगलों की सीमाओं से सटे हुए हैं। प्रदेश का बड़ा हिस्सा आरक्षित

वन है और दूसरा बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य आदि के रूप में जाना जाता है। बाकी बचते हैं वे वन जिन्हें बिगड़े वन या संरक्षित वन कहा जाता है। इन संरक्षित वन में पहले स्थानीय लोगों के अधिकारों का दस्तावेजीकरण किया जाना है इसलिए उनका अधिग्रहण नहीं किया जाना है। ये संरक्षित जंगल उन स्थानीय समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधन हैं जो जंगलों में बसे हैं और जिसका इस्तेमाल वे निस्तार जरुरतों के लिए करते हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में 6520 वनखंडों में प्रस्तावित 30,06,624 हेक्टेयर भूमि के संबंध में वन व्यवस्थापन की कार्रवाई 1988 से लंबित है। भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्रावधानों के तहत वन व्यवस्थापन अधिकारियों को धारा– 5 से 19 तक कार्रवाई कर धारा–20 में आरक्षित वन बनाने की प्रारुप अधिसूचना मय प्रतिवेदन प्रस्तुत करनी थी, जो अब तक लंबित है। प्रश्न उठता है कि वन अधिकार कानून 2006 की धारा 3(1)(झ) द्वारा ग्राम सभा को जंगल के संरक्षण, प्रबंधन और उपयोग के लिए जो सामुदायिक अधिकार दिया गया है या दिया जाने वाला है,उसका क्या होगा?

भारत तो हमेशा से ही आशा का केन्द्र रहा है, मोदी जी!

डॉ. दीपक पाचपोर

वैसे तो किसी मिथक के बनने और उसके स्थापित होने में बरसों या सदियां लग जाती हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे गढ़ने और प्रतिस्थापित करने में क्षण भर भी नहीं लगाते और कमाल तो यह है कि वह मिनटों में स्थापित भी हो जाता है। उनके 11 वर्षों के कार्यकाल में अनेक और अविश्वसनीय किस्म की अवधारणाएं गढ़ने का उनका कारनामा देश देखता आ रहा हैय और वे दुर्भाग्य से स्वीकार्य भी होती चली जा रही हैं। "पिछले 70 वर्षों से देश में कुछ नहीं हुआ" से लेकर "देश पर हमेशा से ही भ्रष्टाचारियों का शासन रहा है", "विपक्ष हमेशा हिन्दू–मुसलमान करता रहा है" से लेकर "नेहरू जी को कृषि की समझ नहीं थी" तक, "भाजपा में कोई झूठ नहीं बोलता" से लेकर "मेरे लिये पद का नहीं वरन सेवा का महत्व है" तक ऐसी अनेकानेक धारणाएं उन्होंने प्रवर्तित कीं तथा उन्हें जनता द्वारा मान्य कराया। अपने जुमलों की तरह मोदीजी द्वारा देशवासियों के जेहन में जिस तरह से परिकल्पनाएं प्रविष्ट की गयीं, उसे उनकी खासियत और सफलता दोनों ही कहा जा सकता है। प्रधानमंत्री के रूप में उनके द्वारा कई शासकीय व अशासकीय कार्यक्रमों में भाषण किये जाते हैं अथवा पार्टी नेता के रूप में वे कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हैं या फिर निजी अथवा सार्वजनिक तौर पर जो कहते हैं, उन सभी में एक समानता जरूर होती है– वह है कोई ऐसा आख्यान गढ़ना जो अब तक न सुना गया हो या न कभी देखा गया हो। उनकी बातों को लोगों तक पहुंचाने व उसे मान्यता दिलाने की उनके पास एक सुव्यवस्थित प्रणाली है। इसलिये मोदी बेधड़क रोज–रोज नयी–नयी अवधारणाएं जनता के बीच स्थापित करते हैं। दूसरा तथ्य यह है कि उनकी ऑडियेंस उनके जुमलेनुमा कथनों पर भरोसा करने के लिये न सिर्फ तैयार बैठी होती है बल्कि उनका बेसब्री से इंतजार भी करती रहती है। इसलिये वह जल्दी से स्वीकार्यता प्राप्त कर लेती है। उनके कहे का खंडन नक्कारखाने में तूती सदृश्य साबित होता है। ऐसे भी लोग हैं जो जानते हैं कि मोदी जो कह रहे हैं वह यथार्थ से परे हैं लेकिन वे उन पर भरोसा करने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिये विभिन्न कारणों से प्रतिबद्ध होते हैं। उनके उवाच अंततरू उनकी छवि निखारने का उपक्रम ही होते हैं। इसलिये उनकी भारतीय जनता पार्टी, उसके नेता, कार्यकर्ता, आईटी सेल, समर्थक, प्रशंसक... सारे एक स्वर में उनके उठाये विमर्श को आगे बढ़ाते हैं। मोदी व भाजपा की यही ताकत है। नया शोशा जो उन्होंने छोड़ा है वह यह है कि "इतिहास में यह पहला अवसर है जब दुनिया भारत को लेकर आशावादी हुई है।" मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अपने भाषण में उन्होंने सोलर ऊर्जा, विदेशी निवेश, एयरोस्पेस कम्पनियों हेतु सप्लाई चेन आदि क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों का जिक्र तो किया ही, विश्व बैंक के हवाले से बताया कि देश अगले दो वर्षों तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा।

अर्ली डिटेक्शन से ब्रेस्ट कैंसर पर विजयः मैक्स अस्पताल, वैशाली के डॉक्टरों ने 41 वर्षीय महिला को शुरुआती स्तन कैंसर से उबरने में मदद की

मुजफ्फरनगर। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, वैशाली के डॉक्टरों ने ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही 41 वर्षीय मुजफ्फरनगर निवासी अंजू रानी, का सफलतापूर्वक इलाज किया। शुरुआती चरण में कैंसर का पता चलने और एडवांस्ड ब्रेस्ट कंजर्वेशन तकनीकों के कारण न केवल उनके स्तन को बचाया जा सका, बल्कि उन्हें कीमोथेरेपी से

भी बचाया गया। स्तन कैंसर के समय पर इलाज और आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, वैशाली के डॉक्टरों ने आज एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर मैक्स अस्पताल, वैशाली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (स्तन कैंसर) विभाग की वरिष्ठ निदेशक, डॉ. रजिंदर कौर सग्गू और 41 वर्षीय अंजू रानी उपस्थित रहीं, जिन्होंने मैक्स अस्पताल, वैशाली में ब्रेस्ट कंजर्वेशन सर्जरी करवाई थी। मैक्स अस्पताल, वैशाली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (स्तन कैंसर) विभाग की वरिष्ठ निदेशक डॉ. रजिंदर कौर सग्गू ने कहा, "जब अंजू रानी, (जो एक युवा मां हैं) ने अपने दाहिने स्तन में एक छोटी सी गांठ महसूस की, तो उन्होंने वही किया जो हर महिला को करना चाहिए— वो तुरंत हमारे पास जाँच के लिए आईं। जांच के बाद, हमने पुष्टि की कि उनका स्तन कैंसर शुरुआती स्टेज में था, जिससे वह ब्रेस्ट–कंजर्विंग सर्जरी और न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के लिए चुनी गईं। उनकी समय पर जागरूकता के कारण, हमने ब्रेस्ट कंजर्वेशन सर्जरी और सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी की, जिससे पूरे कैंसर युक्त टिशूस को हटाया जा सका, और पूरी मैस्टेक्टॉमी (स्तन हटाने) की आवश्यकता नहीं पड़ी। उनके मामले की प्रकृति को देखते हुए, उन्हें कीमोथेरेपी की आवश्यकता नहीं पड़ी, जिससे उनकी रिकवरी प्रक्रिया काफी आसान हो गई। पुनरावृत्ति के जोखिम को कम करने के लिए, वह अब सिर्फ एक सरल दैनिक एंटी–हॉर्मोनल टैबलेट ले रही हैं।" समाज में स्तन कैंसर की प्रारंभिक पहचान को लेकर अधिक जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकतर महिलाएं तब अस्पताल पहुंचती हैं जब कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैल चुका होता है। ऐसे उन्नत चरणों में, कैंसर को पूरी तरह ठीक नहीं किया जा सकता और उपचार का उद्देश्य केवल कैंसर के आकार को कम करना या इसे नियंत्रित करना होता है। डॉ. सग्गू ने आगे कहा, "कई महिलाएं स्तन खोने के डर से समय पर इलाज नहीं करवाती हैं। हालांकि, ब्रेस्ट कंजर्वेशन सर्जरी और आधुनिक उपचार तकनीकें न केवल जीवित रहने की संभावना बढ़ाती हैं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाती हैं। आज अंजू रानी कैंसर मुक्त, स्वस्थ और आत्मविश्वास के साथ अपना जीवन जी रही हैं। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, वैशाली उन्नत कैंसर देखभाल प्रदान करने, स्तन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और महिलाओं को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शेयर बाजार में गिरावट और सरकार की चुप्पी

भारत के घरेलू बाजार में एक के बाद एक घाटे की खबरें सामने आ रही हैं। शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है, वहीं विदेशी मुद्रा भंडार में भी कमी आई है और इसी के साथ डोनाल्ड ट्रंप की घुड़कियों का असर भी उद्योग जगत पर देखा जा रहा है। हैरानी की बात ये है कि पूरे देश में घूम–घूम कर विकास का ढिंढोरा पीटने वाले प्रधानमंत्री मोदी शेयर बाजार में दिखाई दे रही अभूतपूर्व गिरावट को लेकर बिल्कुल मौन है। मानो उन्हें कोई फर्क ही नहीं पड़ता कि छोटे और मंझोले निवेशकों का पैसा डूबे या वे बर्बाद हो जाएं। श्री मोदी के हिसाब से तो अब भी भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था भी वे देश में कायम कर ही लेंगे। हालांकि एक जरूरी सवाल तब भी बना रहेगा कि अगर पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था देश में होती है तो इसमें गरीबों का हिस्सा कितना रहेगा और अमीरों का कब्जा कितने पर होगा। क्योंकि अभी तो आर्थिक गैर–बराबरी और बढ़ रही है। वहीं पांच किलो अनाज पर 80 करोड़ लोग अब भी जी रहे हैं। जो मध्यमवर्ग है, उसे भी राहत नहीं है, न ही भविष्य को लेकर वह निश्चिंत हो पा रहा है। पहले अपनी बचत से साधारण नौकरी या कमाई वाला व्यक्ति थोड़ा पैसा बैंक में, थोड़ा शेयर बाजार में या इसी तरह कहीं निवेश कर आड़े वक्त का इंतजाम करता था। अब मोदी सरकार में यह भी मुमकिन नहीं हो रहा। अभी हाल में मुंबई में न्यू इंडिया को–आपरेटिव बैंक में 125 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया था, जिसके बाद रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इसके बोर्ड को भंग कर धन निकासी पर भी रोक लगा दी थी। हालांकि अब खाताधारकों को 25 हजार रुपए तक निकालने की छूट दे दी गई है। लेकिन इसे राहत भी नहीं कहा जा सकता, क्योंकि देश में बैंकिंग व्यवस्था में घोर अविश्वसनीयता बढ़ रही है। बैंक की रकम हड़पने का यह पहला मामला नहीं है, पहले भी अनेक मामले ऐसे हुए और लुटेरे हजारों करोड़ की रकम लेकर विदेशों में जा बैठे हैं। रिजर्व बैंक कार्रवाई तो करता है, लेकिन इसमें भी आम खाताधारक ही पिसता है। उधर शेयर बाजार का भी यही हाल है।

इसकी निगरानी करने वाली संस्था सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच पर इतने आरोप लगे, लेकिन सरकार लोगों का भरोसा जीतने के लिए कोई ठोस कार्रवाई करती नहीं दिख रही। उधर बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

जानकारों का कहना है कि कोरोना लॉकडाउन या नोटबंदी के वक्त भी बाजार इस तरह नहीं गिरा है। साल 1996 के बाद यह पहला मौका है जब निफ्टी में लगातार पांच महीने गिरावट रहेगी। बताया जा रहा है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण शेयर बाजार में गिरावट आ रही है। पिछले साल अक्टूबर 2024 से विदेशी निवेशक अब तक 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर बेच चुके हैं। साथ ही रुपये के कमजोर होने से उभरते बाजारों में निवेश कम आकर्षक हो गया है। इस कारण विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि मोदी सरकार की नीतियों और फैसलों पर विदेशी निवेशकों का भरोसा उठ चुका है। अजीब बात है कि एक तरफ बिहार, मप्र, उप्र, असम तमाम भाजपा शासित राज्यों में निवेशकों को आकर्षित करने वाले कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। देश के नामी–गिरामी उद्योगपति भाजपा नेताओं और मंत्रियों के साथ मंच साझा कर विकास की गंगा–जमुना बहाने के सपने लोगों को दिखा रहे हैं। सरकारों के साथ उद्योग घरानों के समझौते हो रहे हैं। दावे किए जा रहे हैं कि फलाने राज्य में इतने करोड़ की परियोजनाएं शुरु होंगी, तो इतने का मुनाफा होगा, ढिकाने राज्य में इतने लोगों को रोजगार मिलेगा, इतना विकास होगा। लेकिन जमीन पर देखें तो आम जनता के लिए आमदनी अठन्नी, खर्चा रूपैया जैसा हाल ही बना हुआ है। न कहीं बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो रहा है, न बड़े कल–कारखाने लग रहे हैं, न आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल व्यापक पैमाने पर उद्योगों में होता दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी ने संसद में जो चिंता जतलाई थी वह बिल्कुल वाजिब थी कि हम एआई की बात करते हैं, लेकिन बिना डाटा के इसका कोई अर्थ नहीं है। भारत के पास न तो उत्पादन डाटा है, न ही उपभोक्ता डाटा। हमने अपना उपभोक्ता डाटा अमेरिका की बड़ी कंपनियों को दे दिया है और उत्पादन डाटा हमारे पास नहीं है। ऐसे में हमारे विकास का कोई विजन ही नहीं है। राहुल गांधी की बात को एक बार फिर सरकार ने हल्के में उड़ाने की कोशिश की। हालांकि उन्होंने दूरदर्शितापूर्ण बात कही। अगर आज हम बदलते वक्त के साथ औद्योगिक माहौल को नहीं ढालेंगे तो दुनिया में काफी पिछड़ जाएंगे। अभी यही हो रहा है। एक तरफ चीन और दूसरी तरफ अमेरिका का दबदबा बढ़ता जा रहा है। हमारे यहां दो–चार लोग दुनिया के अमीरों में भले शामिल हों, लेकिन पूरा देश तभी विकास करेगा, जब आम जनता की जेबों में धन आएगा। अभी तो आम जनता केवल इसी माथापच्ची में लगी रहती है कि अपनी सीमित आय को कैसे बचाए। शेयर बाजार की गिरावट उसकी उलझन और बढ़ा रही है। शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों के हाथ खींचने के अलावा ट्रंप की टैरिफ पर जैसे को तैसा वाली धमकी भी असर दिखा रही है। अगर नरेन्द्र मोदी हिम्मत दिखा कर ट्रंप को वहीं रोकते और बताते कि अमेरिका को भारत से कितना फायदा मिल रहा है। इतना बड़ा बाजार हमने अमेरिका को दिया है, इसका एहसान प्रधानमंत्री जताते तो शायद बाजार का भरोसा भी बढ़ता। लेकिन वहां तो श्री मोदी मुस्कुरा कर आ गए और अब भी जब ट्रंप रोजाना किसी न किसी तरह भारत को अपमानित कर रहे हैं, तो भी मोदी सरकार कोई प्रतिवाद नहीं कर रही है। ऐसे में भारतीय बाजार को लेकर अनिश्चितताएं बढ़ना स्वाभाविक है। इसका फायदा चीन जैसे देशों को मिल रहा है। जहां शेयर बाजार ऊंचाई पर जा रहा है।

पहली ही नजर में शाहिद पर मर मिटी थी करीना, दो महीने बाद एक्टर से एक्सेप्ट किया था बेबो का प्रपोजल

करीना ने बताया कि उन्होंने दो महीने तक शाहिद का पीछा किया और उनसे मिलने के लिए भी कहा। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने ही पहला कदम उठाया और अपने रिश्ते को आगे बढ़ाया। करीना ने कहा था कि-उसने जरा भी परवाह नहीं की, २ महीने तक मुझे उसका पीछा करना पड़ा। मैं ही थी जो एसएमएस, कॉल शुरू करती थी, उससे मिलने के लिए कहती थी... वह थोड़ा शर्मीला था और आखिरकार हम मिले और बातें शुरू हुई, लेकिन यह मैं ही थी जिसने पहला कदम उठाया और रिश्ते को गति दी।

पिछले कुछ सालों में बॉलीवुड में कुछ बेहतरीन प्रेम कहानियां देखने को मिली हैं, जो किसी कल्पना से कम नहीं हैं। ऐसी ही एक प्रेम कहानी शाहिद कपूर और करीना कपूर की थी, जिन्हें कभी आइडल कपल माना जाता था। हालांकि दोनों को अलग हुए कई साल हो चुके हैं और अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं, लेकिन उनके प्रशंसक अक्सर उनकी कुछ बातें खोज निकालते हैं, जो सभी को पुरानी यादों में ले जाते हैं। आज हम शाहिद कपूर के जन्मदिन पर उनकी चर्चित प्रेम कहानी के बारे में फिर से बताने जा रहे हैं। याद हो कि कॉफी विद करण सीजन 2 के एक एपिसोड में करीना कपूर और शाहिद कपूर ने पहली बार अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान करण ने शाहिद और करीना से उनके प्रपोजल की कहानी के बारे में कुछ दिलचस्प विवरण बताने और यह बताने के लिए कहा कि उनकी प्रेम कहानी कैसे परवान चढ़ी। जहां हर कोई उम्मीद कर रहा था कि शाहिद करीना को प्रपोज करने के लिए घुटनों के बल बैठें होंगे, वहीं करीना ने अपने जवाब से सभी को हैरान कर दिया। करीना ने बताया कि उन्होंने दो महीने तक शाहिद का पीछा किया और उनसे मिलने के लिए भी कहा। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने ही पहला कदम उठाया और अपने रिश्ते को आगे बढ़ाया। करीना ने कहा था कि–उसने जरा भी परवाह नहीं की, 2 महीने तक मुझे उसका पीछा करना पड़ा। मैं ही थी जो एसएमएस, कॉल शुरू करती थी, उससे मिलने के लिए कहती थी... वह थोड़ा शर्मीला था और आखिरकार हम मिले और बातें शुरू हुईं, लेकिन यह मैं ही थी जिसने पहला कदम उठाया और रिश्ते को गति दी। करीना कपूर शाहिद कपूर के लुक्स की उस दिन से ही दीवानी हो गई थीं, जब उन्होंने फिल्म इश्क विश्क से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। शाहिद और करीना हमेशा अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात करते रहे हैं और उनके प्रशंसकों ने एक–दूसरे के लिए दोनों के बेपनाह प्यार की तारीफ की है। हालांकि दोनों के ब्रेकअप की खबर पूरे देश के लिए एक झटका थी, क्योंकि हर कोई इस जोड़े की शादी की घोषणा का इंतजार कर रहा था। कहा जाता है कि बबीता और करिश्मा करीना के शाहिद के साथ रिश्ते के खिलाफ थीं और लगातार उन्हें ब्रेकअप करने की सलाह दे रही थीं। हालांकि, करीना, शाहिद के प्यार में पागल थीं, इसलिए उन्होंने कथित तौर पर निर्माताओं से शाहिद को अपने साथ कास्ट करने के लिए कहा, जिससे उनकी मां नाराज हो गईं। चूंकि बबीता को अपनी बेटी, करीना का शाहिद के प्रति अत्यधिक जुनून पसंद नहीं था और उन्हें लगा कि यह काफी गैर–पेशेवर है, इसलिए उन्होंने आखिरकार करीना को शाहिद से अलग होने के लिए कह दिया।

महादेव की भक्ति विशेष : शुभांगी अत्रे

भाभी जी घर पर हैं' फेम अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया कि उनका महादेव की भक्ति में विशेष मन लगता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि वह महाशिवरात्रि कैसे मनाती हैं और किन परंपराओं का पालन करती हैं। शुभांगी अत्रे ने बताया, मैं इंदौर में पली–बढ़ी हूं, महाशिवरात्रि हमारे परिवार के लिए हमेशा से एक भव्य और खास उत्सव की तरह रहा है। मुझे अपने पिता के साथ मंदिर जाना, मध्यरात्रि की आरती में भाग लेना और अपने चारों ओर दिव्य ऊर्जा को महसूस करना बहुत पसंद है। बचपन की वे यादें मेरे दिल में गहराई से बसी हैं। आज भी मैं मंदिर जाती हूं, शिवलिंग पर फूल, फल और दूध चढ़ाती हूं और शिव मंत्रों का जाप करती हूं। इस साल महाशिवरात्रि कैसे मनाएंगी? इस पर अभिनेत्री ने कहा, यह साल और भी खास है क्योंकि मुझे वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और उज्जैन में श्री महाकाल मंदिर में भगवान शिव के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। यह एक अद्भुत और दिव्य अनुभव था, जिसने मेरे आध्यात्मिक जुड़ाव को और भी मजबूत किया। मैंने अपने पिता के जल्द स्वस्थ होने के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की। दर्शन करके मुझे शांति और आशा की अनुभूति हुई। शिव के प्रति मेरी भक्ति मुझे जीवन में गाइड करती है। मैं जल्द ही अन्य ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करूंगी।" अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए महाशिवरात्रि केवल एक त्योहार नहीं है, यह गहन चिंतन, भक्ति और आनंद का दिन है। अभिनेत्री ने करियर पर भी बात की। उन्होंने कहा, इस साल जनवरी में 'भाभीजी घर पर हैं' शो ने 2500 एपिसोड पूरे करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस मौके पर टीम ने पूरी कास्ट और क्रू के साथ सेट पर केक काटकर जश्न मनाया। शुभांगी अत्रे ने शो में अपने किरदार के बारे में बताया, अंगूरी मेरे दिल के बहुत करीब है। उसकी मासूमियत और खास लाइन, सही पकड़े हैं प्रशंसकों को बहुत पसंद आता है। ऐसे शो का हिस्सा बनना जो खुशियां फैलाता है, बेहद खुशी की बात है। शो को इतना प्यार देने के लिए मैं दर्शकों का दिल से शुक्रिया अदा करती हूं।

करोड़ों की धन-दौलत के बावजूद भी किराए पर रहने को मजबूर हुए शाहरुख खान, परिवार समेत खाली किया बंगला मन्नत

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान इंडस्ट्री के सबसे महंगे एक्टर्स में से एक हैं, लेकिन अब यह हीरो इतनी धन–दौलत होने के बावजूद भी किराए के मकान पर रहने को मजबूर हो गए हैं। जी हा, किंग खान अपना लग्जरी हाउस मन्नत छोड़कर किराए पर रहने जा रहे हैं। क्या आपको पता है कि एक्टर ऐसा क्यों करने जा रहे हैं, तो चलिए बताते हैं... रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान अपने घर मन्नत में कुछ बदलाव करने जा रहे हैं। मन्नत में दो अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण किया जाएगा। शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने इस निर्माण के लिए महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण से 2024 में मंजूरी प्राप्त की थी। इसलिए अब शाहरुख और उनके परिवार को मन्नत छोड़ना होगा। ऐसे में किंग खान ने किराए के घर में शिफ्ट होने का फैसला किया है, ताकि कंस्ट्रक्शन का काम सुचारू रूप से चल सके। पिछले दिनों खबरें भी आई थीं कि शाहरुख खान ने मुंबई के पाली हील्स, खार वेस्ट में दो हाई–एंड डुप्लेक्स अपार्टमेंट किराए पर लिए हैं। यह अपार्टमेंट तीन साल के लिए किराए पर लिया गया है और रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहरुख को इन अपार्टमेंट्स के लिए सालाना 2.9 करोड़ रुपये किराया देंगे। यह एग्रीमेंट 14 फरवरी को हुआ था। यह घर जैकी भगनानी के पिता वासु भगनानी का है, और शाहरुख खान अब यहां अपने परिवार के साथ रहने जाएंगे। काम की बात करें तो शाहरुख खान की अगली फिल्म किंग है, जिसका उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

वोग कवर पर पहले से कहीं ज्यादा खूबसूरत और स्टाइलिश दिखीं अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे पिछले काफी समय से फैशन इंडस्ट्री में सक्रिय हैं और एक के बाद एक नए मुकाम हासिल कर रही हैं। अनन्या ने अपने सफर में एक और मील का पत्थर जोड़ लिया है। 26 वर्षीय अभिनेत्री ने अपना पहला वोग कवर हासिल कर लिया है। इस वोग कवर में अभिनेत्री पहले से कहीं ज्यादा स्टाइलिश और आकर्षक लग रही हैं। कवर के लिए, अनन्या ने हलके नीले रंग का सिल्क शिफॉन का रफल्ड केप टॉप पहना था, जिसमें नकली पंख लगे थे। अपने टॉप के सॉफ्ट टेक्सचर को संतुलित करते हुए, अनन्या ने इसे चौनल के स्ट्रक्चर्ड ब्लैक बरमूडा लेदर शॉर्ट्स के साथ पेयर किया। हाई–वेस्ट डिज़ाइन, चमकदार बटन क्लोज़र से सजी, उसके फिगर को गले लगाती हुई, हवादार टॉप के साथ एक बोल्ड कंट्रास्ट जोड़ती है। लुक को और बेहतर बनाने के लिए, उसने स्टेटमेंट स्वारोवस्की इयररिंग्स और चोकर नेकलेस के साथ एक्सेसरीज पहनीं। अपने खूबसूरत लुक के लिए अनन्या ने अपने चीकबोन्स को शिमरी हाइलाइटर और सॉफ्ट ब्लश से हाईलाइट किया। उनके आई मेकअप में पतली पलकें, विंग्ड आईलाइनर और सूक्ष्म ब्राउन टोन थे, जबकि न्यूड लिप्स ने पॉलिश फ़िनिश को पूरा किया।

प्राइम वीडियो की ओरिजिनल बी हैप्पी, पिता और बेटी के अनमोल रिश्ते की दिल छूह लेने वाली कहानी

भारत का सबसे पसंदीदा मनोरंजन डेस्टीनेशन, प्राइम वीडियो,ने आज अपनी आगामी ओरिजिनल फिल्म बी हैप्पी की प्रीमियर डेट की घोषणा की। यह भावनात्मक ड्रामा परिवार की गर्मजोशी, सपनों की ताकत और प्रेम की मजबूती को खूबसूरती से जोड़ता है। फिल्म का निर्माण लिजेलरेमो डिसूजा ने रेमो डिसूजा एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले किया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन, नोरा फतेही और इनायत वर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, जबकि नास्सर, जॉनी लीवर और हरलीन सेठी सहायक भूमिकाओं में होंगे। बी हैप्पी एक दिल छू लेने वाली फिल्म होने का वादा करती है। यह फिल्म 14 मार्च को विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर भारत सहित 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में हिंदी भाषा में रिलीज होगी, साथ ही तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में डब संस्करण भी उपलब्ध होंगे। बी हैप्पी एक भावनात्मक कहानी है जो एक समर्पित एकल पिता शिव (अभिषेक बच्चन) और उसकी चुलबुली, बुद्धिमान बेटी धारा (इनायत वर्मा) के अटूट रिश्ते को खूबसूरती से दर्शाती है। उम्र से कहीं अधिक समझदार धारा का सपना है कि वह देश के सबसे बड़े डांस रियलिटी शो के मंच पर अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरे। लेकिन जब अचानक आई एक विपत्ति उसके इस सपने को तोड़ने वाली होती है, तो शिव को एक बेहद कठिन निर्णय लेना पड़ता है। अपनी बेटी की उम्मीदों को टूटने से बचाने के लिए, वह एक असाधारण सफर पर निकल पड़ता हैकृजहां वह किस्मत को चुनौती देता है, खुद को नए सिरे से पहचानता है और इस यात्रा के दौरान असली खुशी का अर्थ खोजता है। प्राइम वीडियो में, हमें गर्व है कि हम विभिन्न भाषाओं में ओरिजिनल फिल्मों की एक मजबूत श्रृंखला तैयार कर रहे हैंकृ ऐसी कहानियां जो दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ–साथ उन्हें गहराई से जोड़ती और प्रभावित करती हैं। बी हैप्पी एक ऐसा मार्मिक किस्सा है, जो परिवार के रिश्तों का जश्न मनाता है और उन सपनों को सलाम करता है जो हमें प्रेरित करते हैं, निखिल मधोक, हेड ऑफ ओरिजिनल्स, प्राइम वीडियो, इंडिया ने कहा। अभिषेक बच्चन के नेतृत्व में एक शानदार कलाकारों की टोली के साथ, यह फिल्म एक पिता की अटूट यात्रा को दर्शाती है जो अपनी बेटी की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए समर्पित है। इसमें शानदार अभिनय के साथ गर्मजोशी और आशा का संचार है। रेमो डिसूजा की कहानी एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिससे यह फिल्म वास्तव में यादगार और प्रेरणादायक अनुभव बन जाती है। हमें पूरा यकीन है कि जब यह फिल्म 14 मार्च को भारत और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी, तो यह सभी पीढ़ियों के दिलों को छू जाएगी। निर्देशक रेमो डिसूजा ने कहा, लिजेल और मेरे लिए, बी हैप्पी एक सच्चा जुनूनी प्रोजेक्ट है–एक गहरी भावनात्मक कहानी जो संगीत और नृत्य के जादू के माध्यम से पिता और बेटी के खास रिश्ते का उत्सव मनाती है। यह एक ऐसा बंधन है जो सार्वभौमिक है और हर संस्कृति से परे है, और हम इसे एक सच्चे, भावनात्मक और प्रेरणादायक तरीके से जीवंत करना चाहते थे। इस सफर में प्राइम वीडियो के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव रहा, जहां उन्होंने हर कदम पर हमारा पूरा साथ दिया। और हमारी कास्टकृएकदम जादुई हैं! उन्होंने अपने अभिनय को इतने उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ किया की यह कहानी और भी प्रभावशाली बन गई। अब हमें बेसब्री से उस पल का इंतजार है जब 14 मार्च को बी हैप्पी प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी और दुनियाभर के दर्शक इस खूबसूरत सफर का हिस्सा बनेंगे।

सूट की स्लीव्स चौड़ी होने पर टेलर से बनवाएं ऐसी डिजाइंस, मिलेगा परफेक्ट लुक

जब भी हम मार्केट से सूट लेते हैं या फिर टेलर से इसको सिलवाते हैं, तो सूट की डिजाइन को अपनी पसंद के हिसाब से बनवाते हैं। जिससे कि जब हम वह सूट पहनें तो वह परफेक्ट लगे। लेकिन कई बार गलत फिटिंग की वजह से बाजू चौड़ी हो जाती है। जो देखने में बेहद खराब लगती है। ऐसे में जरूरी नहीं है कि आप सूट पहनना ही छोड़ दें। बल्कि सूट की स्लीव्स को सही करवाने के लिए आप कुछ अलग डिजाइन को क्रिएट करवा सकती हैं। जिससे कि जब आप इन सूट्स को पहनें तो वह आप पर परफेक्ट लगें। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप सूट में किस तरह की स्लीव्स ट्राई कर सकती हैं।

डोरी सूट स्लीव्स

अगर आपके सूट की बाजू चौड़ी हो गई है, तो आप टेलर से कहकर इसमें डोरी लगवा सकती हैं। इससे जब आप डोरी को टाइट करके बाधेंगी, तो आपकी स्लीव्स बिलकुल फिट हो जाएगी। आप चाहें तो इसमें एक अच्छा सा टेस्ल लगा सकती हैं। वहीं बाजू पर कलर कॉन्ट्रास्ट करके बटन को फिक्स करवा सकती हैं। इस तरह से आपकी स्लीव्स सही हो जाएगी।

फ्लेयर डिजाइन

अगर सूट में आपकी बाजू नीचे से चौड़ी नजर आ रही है। तो इसमें कट देकर फ्लेयर डिजाइन क्रिएट करवाकर इस पर फिक्स कर सकती हैं। आजकल इस तरह की स्लीव्स वाले काफी डिजाइन चल रहे हैं और काफी अच्छे लगते हैं। ऐसे में आपको सूट में यह डिजाइन जरूर ट्राई करनी चाहिए।

चूड़ीदार स्लीव्स

अगर आपने अपने सूट में फुल स्लीव्स बनवाई है और बाजू की फिटिंग सही नहीं है। तो आप इसमें प्लीट्स डलवा सकती हैं। इससे सूट के बाजू में चूड़ियां बन जाएंगी, जो आजकल काफी अच्छी लगती है। वहीं इस तरीके से सूट की फिटिंग भी परफेक्ट हो जाएगी और आपको कुछ नया ट्राई करने का मौका मिलेगा।

पुराने हो गए हैं हैंगर तो फेंकने की जगह ऐसे करें इस्तेमाल

अपनी अलमारी में कपड़ों को सरीखे से लगाने के लिए हम सभी हैंगर का इस्तेमाल करते हैं। हैंगर अमूमन लंबे समय तक चलते हैं, लेकिन एक समय के बाद वह मुड़ जाते हैं या फिर खराब हो जाते हैं। इस स्थिति में हम सभी उन हैंगरों को यूं ही बाहर फेंक देते हैं। जबकि ये पुराने हैंगर भी आपके बेहद काम आ सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इन पुराने हैंगरों को इस्तेमाल करने के कुछ अमेजिंग आइडियाज आपके साथ शेयर कर रहे हैं–

बनाएं ज्वैलरी आर्गेनाइजर

अगर आपके पास घर में पुराने हैंगर हैं तो आप उन्हें बतौर ज्वैलरी आर्गेनाइजर इस्तेमाल कर सकती हैं। आप हुक बनाने के लिए हैंगर को मोड़ सकते हैं और उसमें नेकपीस से लेकर ब्रेसलेट व इयररिंग्स आदि आसानी से हैंग कर सकते हैं।

स्कार्फ होल्डर

अक्सर हम सभी कई अलग–अलग कलर के स्कार्फ को अपने लुक का हिस्सा बनाते हैं, लेकिन वह यूं ही इधर–उधर फैले रहते हैं। ऐसे में स्कार्फ को आसानी से आर्गेनाइज तरीके से रखने के लिए आप हैंगर के चारों ओर उसे रैप करें। इस तरह आप एक हैंगर में कई स्कार्फ को आसानी से हैंग कर सकते हैं।

बेल्ट आर्गेनाइजर

पुराने हैंगर को बतौर बेल्ट आर्गेनाइजर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। आप हैंगर हुक पर बेल्ट लटकाएं, जिससे आपकी अलमारी अधिक आर्गेनाइज्ड नजर आए।

बनाएं प्लांट होल्डर

घर में रखे छोटे प्लांट्स व पॉट्स को रखने के लिए भी आप हैंगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप पुराने हैंगर को मोड़कर गोल शेप दें। अब आप इसमें आसानी से पॉट को रख सकते हैं। वहीं हैंगर का हुक प्लांट को टांगने में काम आएगा।

हैंग करें स्टेशनरी आइटम्स

अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं, जो बार–बार अपना स्टेशनरी आइटम इधर–उधर बिखेर देते हैं तो ऐसे में पुराने हैंगर की मदद से आप इस सामान को आर्गेनाइज करें। इस हैंगर में आप बच्चों की कलर टेप से लेकर रिबन व अन्य आइटम्स को आसानी से आर्गेनाइज्ड तरीके से हैंग कर सकते हैं।

बदलते मौसम में इम्यूनिटी बनेगी मजबूत, डाइट में शामिल करें ये 5 फल

बदलते मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी स्वास्थ्य पर भारी पड़ जाती है। वैसे तो इन दिनों दिन में काफी तेज धूप निकल रही है जिसके कारण गर्मी लगने लगती है परंतु वहीं इसके विपरित रात में ठंडी हवाएं चल रही हैं जो आपको बीमार भी बना सकती हैं। दिन में हो रही गर्मी देखकर लोगों ने गर्म कपड़े पहनने बंद कर दिए हैं ऐसे में शाम को होने वाली इस ठंड के कारण लोगों को सर्दी–जुकाम और बुखार घेर रहा है। इस मौसम में बीमारियों से शरीर को बचाने के लिए इम्यूनिटी मजबूत होनी जरुरी है। आज आपको इस आर्टिकल के जरिए 5 ऐसे फल बताते हैं जो आपकी इम्यूनिटी मजबूत बनाएंगे। आइए जानते हैं इनके बारे में।

संतरा

संतरे में विटामिन–सी काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है ऐसे में यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन–ए, पोटेशियम और फाइबर भी मौजूद होता है जो शरीर के लिए लाभकारी माना जाता है। रोजाना संतरे का सेवन करने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है और शरीर को इंफेक्शन से लड़ने में मदद मिलती है।

अनार

अनार में विटामिन–सी, विटामिन–ई, विटामिन–ए और एंटीऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके अलावा अनार में आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम भी पाया जाता है जो शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने और ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करता है।

कीवी

इसमें विटामिन–सी पाया जाता है जिसका सेवन बदलते मौसम में करना फायदेमंद माना जाता है। कीवी में कई तरह के विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं जो शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत बनाने में मदद करते हैं। कीवी में फाइबर, पौटेशियम और फोलेट पाया जाता है जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है।

आंवला

आंवला में विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ज्यादा होती है ऐसे में इसका नियमित तौर पर सेवन करने से संक्रमण से लड़ने में मदद मिलती है। आंवला का सेवन करने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है। आंवला में फाइबर और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं।

अंगूर

अंगूर विटामिन–सी, विटामिन के और कैल्शियम का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह शरीर को किसी भी तरह के इंफेक्शन से बचाने में मदद करता है। अंगूर में कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करते हैं।

दवाओं से नहीं इन 5 सुपर फूड से करें शरीर में कैल्शियम की कमी पूरी

शरीर को हेल्दी रखने के लिए बहुत जरूरी है कि उन्हें सारे पोषक तत्व मिलें, वरना बीमारी अपनी चपेट में ले सकती है। कैल्शियम खासकर के तो बहुत जरूरी है। इससे हड्डियों और दांत मजबूत रहते हैं। वहीं ब्लड सर्कुलेशन, मसल्स बनाने और दिमाग के बेहतर ढंग से काम करने के लिए कैल्शियम की सख्त जरूरत होती है। कई लोग शरीर में कैल्शियम की कमी की पूरा करने के लिए दवाओं का सहारा लेते हैं, पर उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी अगर आप बस अपने डाइट में ये फूड्स शामिल कर लें।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां पोषक तत्वों का खजाना होती हैं। इसमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए आप अपने डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, ब्रोकली, बीन्स शामिल कर सकते हैं।

चना

एक्सपर्ट्स की मानें तो 100 ग्राम चने में लगभग 150 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। चना शाकाहारी प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत है। इसमें आयरन, कॉपर, फोलेट और फॉस्फोरस से भरपूर होता है। आप अपनी डाइट में चने को कई तरीकों से शामिल कर सकते हैं। इसका इस्तेमाल करके आप बहुत ही टेस्टी डिशेज भी खा सकते हैं।

भिंडी

इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, मैग्नीशियम, फोलेट और विटामिन–बी 6 जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। कैल्शियम की कमी को भी पूरा करने के लिए आप भिंडी को अपने डाइट में शामिल करें। एक्सपर्ट्स की मानें तो 100 ग्राम भिंडी में 86 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

सोयाबीन

सोयाबीन को शाकाहारी के लिए प्रोटीन के अलावा कैल्शियन का बेस्ट ऑप्शन माना जाता है। इसमें कैल्शियम के अलावा आयरन भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो बॉडी के लिए बहुत जरूरी होता है।

बादाम

बादाम दिमाग तो तेज करता ही है साथ में शरीर में कैल्शियम की कमी को भी पूरा करता है। इसके अलावा ये ओमेगा– 3 फैटी एसिड, आयरन, फाइबर और विटामिन–के से भरपूर होता है। रात में बादाम को पानी में भिगो दें, अगले दिन सुबह इनका छिलका उतारकर खा सकते हैं।

भारत के इन बीचेज पर तैरने से पहले जरूर बरतें ये सावधानियां, वरना परेशानी में पड़ सकते हैं आप

जब भी वेकेशन टाइम होता है, तो लोग कहीं न कहीं घूमने का प्लान जरूर बना लेते हैं। ऐसे में कुछ लोगों को पहाड़ों पर तो कुछ लोगों को बीचेस पर वेकेशन मनाना पसंद होता है। वैसे बीचेस पर मस्ती करना लगभग हर किसी को पसंद होता है। आपको बता दें कि भारत में ऐसे कई डेस्टिनेशन हैं, जहां पर आप बीच पर घूमते हुए ढेर सारी मस्ती कर सकते हैं। हालांकि आप हर बीच पर उतनी ही मस्ती कर सकें, यह जरूरी नहीं है। दरअसल, भारत देश में ऐसे कई बीचेस हैं, जहां पर स्विमिंग आदि करना बेहद खतरनाक माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत में मौजूद कुछ ऐसे बीचेस के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर घूमना व स्विमिंग करना ज्यादा सेफ नहीं है। तो आइए जानते हैं भारत में मौजूद इन बीचेस के बारे में...

अरम्बोल बीच, गोवा

वहीं गोवा का अरम्बोल बीच काफी ज्यादा फेमस है। यहां पर अक्सर लोग अपनी फैमिली और दोस्तों के साथ आते हैं। अरम्बोल बीच जितना ज्यादा खूबसूरत है, उतना ही ज्यादा खतरनाक भी है। यह बीच एक चट्टानी इलाके में है। हालांकि अरब सागर की तेज लहरें स्विमिंग को मुश्किल बनाती हैं। इसके अलावा पानी के नीचे छिपी बड़ी चट्टानों की वजह से आपको स्विमिंग के दौरान अधिक सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

मरीना बीच, चेन्नई

चेन्नई का प्लान बनाने वाले लोग मरीना बीच घूमने जरूर जाते हैं। बता दें कि मरीना बीच को दुनिया के सबसे लंबे समुद्र तटों में से एक माना जाता है। इसलिए अगर आप यहां पर स्विमिंग करना चाहते हैं, तो आपको इस बीच की गहराई में जाने को लेकर अतिरिक्त सावधान रहना चाहिए।

यारदा बीच, आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के पास याराडा बीच स्थित है। यह बीच हरी–भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इस बीच की खूबसूरती को देखते हुए लोग यहां पर वक्त बिताना काफी ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन यहां की तेज लहरें इसको देश की सबसे खतरनाक बीचेस बनाती हैं। ऐसे में अगर आप भी यहां पर आते हैं, तो आपको यहां काफी सोच–समझकर स्विमिंग करनी चाहिए।

कोवलम बीच, केरल

कोवलम बीच केरल में बेहद पॉपुलर बीच है। अक्सर लोग अपने परिवार या दोस्तों के साथ यहां आना पसंद करते हैं। लेकिन यहां आने के दौरान थोड़ा अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत होती है। क्योंकि तेज लहरें होने की वजह से यहां पर डूबने की दुर्घटनाएं देखी गई हैं। इसलिए अगर आप इस बीच पर जाते हैं, तो वॉर्निंग साइंस को अनदेखा न करें। इसके साथ ही लाइफगार्ड इंस्ट्रक्शन को भी फॉलो करें।

डुमस बीच, गुजरात

गुजरात के डुमस बीच पर अक्सर लोग जाने से कतराते हैं। यह देश के सबसे रहस्यमयी समुद्र तटों में से एक माना जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह हॉन्टेड बीच है। इसलिए जब लोकल लोग इस बीच पर आते हैं, तो पानी में बहुत अंदर तक नहीं जाते हैं। लोगों के मन में इस बीच को लेकर बनी धारणा इसको अनोखा और खतरनाक बनाती है।

संक्षिप्त

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती बढ़त के बाद उतार–चढ़ाव

घरेलू शेयर बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी ने बृहस्पतिवार को सकारात्मक रुख के साथ कारोबार की शुरुआत की, लेकिन शुरुआती सौदों के बाद इनमें उतार–चढ़ाव का रुख देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 231.97 अंक चढ़कर 74,834.09 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 65.75 अंक की बढ़त के साथ 22,613.30 अंक पर रहा। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही सूचकांकों में उतार–चढ़ाव का देखने का मिला और वे ऊंच व निचले स्तर के बीच कारोबार करने लगे। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, नेस्ले और टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक तेजी में रहे। अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा और टाटा मोटर्स के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की फायदे में रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार बुधवार को मिले–जुले रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.77 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर सपाट रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,529.10 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को शेयर बाजार बंद थे।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने पुणे में नई परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये की आवासीय संपत्तियां बेचीं

रियल एस्टेट डेवलपर गोदरेज प्रॉपर्टीज ने मजबूत मांग के बीच पुणे में अपनी नई परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये मूल्य की आवासीय संपत्तियां बेची हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने ''पुणे के हिंजेवाडी स्थित अपनी परियोजना 'गोदरेज एवरग्रीन स्क्वायर' में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां बेची हैं।'' गोदरेज प्रॉपर्टीज ने इस

परियोजना में कुल 12.3 लाख वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली 1,398 आवासीय संपत्तियां बेची हैं। इस परियोजना को नवंबर 2024 में पेश किया गया था। गोदरेज एवरग्रीन स्क्वायर में 24.1 लाख वर्ग फुट की विकास योग्य क्षमता है, जिसकी अनुमानित राजस्व क्षमता लगभग 2,045 करोड़ रुपये है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा कि कंपनी को ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

दुबई के फर्म से 1.5 अरब डॉलर की क्रिप्टो चोरी, FBI का उत्तर कोरिया समर्थित हैकरों पर आरोप

नई दिल्ली। एफबीआई ने उत्तर कोरिया से जुड़े हैकरों पर सार्वजनिक रूप से ज्ञात सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी चोरी में से एक को अंजाम देने का आरोप लगाया है। इस मामले में दुबई स्थित एक फर्म से लगभग 1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की इथेरियम की चोरी की गई है। इस महीने की शुरुआत में दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंजों में से एक, बायबिट को निशाना बनाकर की गई चोरी, हैकरों की एक और टीम की संलिप्तता है, जिसकी अमेरिकी सरकार ने ट्रेडरट्रेटर और लाजरस ग्रुप के नाम से पहचान की है।

एफबीआई ने प्योंगयांग को चोरी से जोड़ते हुए जारी की चेतावनी

एफबीआई ने कहा है कि हैकर्स क्रिप्टोकरेंसी की चोरी षक्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग एप्लिकेशन के प्रसार के माध्यम से करते हैं, जिन्हें मैलवेयर को शामिल करने के लिए संशोधित किया गया था जो क्रिप्टोकरेंसी की चोरी को आसान बनाता है।ष एफबीआई ने प्योंगयांग को चोरी से जोड़ते हुए चेतावनी जारी की। बुधवार देर रात एक ऑनलाइन सार्वजनिक सेवा घोषणा में, एफबीआई ने कहा कि उनका मानना है कि उत्तर कोरिया समर्थित हैकर्स चोरी के लिए जिम्मेदार हैं। एफबीआई ने अपनी घोषणा में कहा, ट्रेडरट्रेटर अभिनेता तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और उन्होंने चुराई गई कुछ संपत्तियों को बिटकॉइन और अन्य आभासी संपत्तियों में बदल दिया है, जो कई ब्लॉकचेन पर हजारों पतों पर फैली हुई हैं। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने न तो चोरी की बात स्वीकार की है और न ही एफबीआई के आरोप को। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में प्योंगयांग के मिशन ने एसोसिएटेड प्रेस की टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उत्तर कोरिया की ओर से की गई चोरी से कथित तौर पर परमाणु हथियार कार्यक्रम को वित्तपोषित किया जाता है। हालांकि, दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी के अनुसार, उत्तर कोरिया ने पिछले पांच वर्षों में क्रिप्टोकरेंसी और अन्य आभासी संपत्तियों में अनुमानित 1.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की चोरी की है। संयुक्त राष्ट्र के एक विशेषज्ञ पैनल ने अलग से कहा कि वह 2017 से 2023 के बीच उत्तर कोरिया द्वारा किए गए 58 संदिग्ध साइबर हमलों की जांच कर रहा है, जिसमें लगभग 3 बिलियन डॉलर की चोरी की गई थी, जिसका उपयोग षकथित तौर पर देश के सामूहिक विनाश के हथियारों के विकास को वित्तपोषित करने में मदद करने के लिए किया गया था। बायबिट के सह–संस्थापक और सीईओ, बेन झोउ ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में एफबीआई की घोषणा को स्वीकार किया, जिसमें एक वेबसाइट का लिंक दिया गया था, जिसमें चोरी की गई क्रिप्टो को ट्रैक करने और अन्य एक्सचेंजों द्वारा इसे फ्रीज करने के लिए 140 मिलियन डॉलर का इनाम देने की पेशकश की गई थी।

इंग्लैंड टूर्नामेंट से बाहर, अफगानिस्तान की पहली जीत, इब्राहिम जादरान के बाद अजमतुल्लाह उमरजई चमके

लाहौर। इब्राहिम जादरान की शतकीय और अजमतुल्लाह उमरजई की घातक गेंदबाजी की बदौलत अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। बुधवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राशिद खान के नेतृत्व वाली टीम ने 50 ओवर में सात विकेट खोकर 325 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 49.5 ओवर में 317 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। इस तरह अफगानिस्तान ने आठ रन से मौजूदा टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।

इंग्लैंड का सफर समाप्त

जोस बटलर की टीम का सफर इस टूर्नामेंट में समाप्त हो गया। इससे पहले उन्हें ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट से हराया था। अब टीम को अपना अगला मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना है। यह मुकाबला शनिवार (1 मार्च) को कराची में खेला जाएगा। वहीं, अफगानिस्तान ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। ग्रुप बी की तालिका में राशिद खान की टीम दो अंक और –0.990 के नेट रनरेट के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गई है जबकि दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया क्रमशरू पहले और दूसरे पायदान पर हैं। अब अफगानिस्तान को अपना तीसरा मुकाबला शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है।

पहले भी इंग्लैंड को हरा चुकी है राशिद खान की टीम

यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को आईसीसी के किसी टूर्नामेंट में धूल चटाई है। इससे पहले हशमतुल्लाह शाहिदी की टीम ने इंग्लैंड को वनडे विश्व कप 2023 में दिल्ली के अरुण जेट्ली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कभी न भूलने वाली शिकस्त दी थी। उस मैच में अफगानिस्तान ने रहमनुल्लाह गुरबाज की 80 रनों की दमदार पारी की बदौलत इंग्लिश टीम के सामने 285 रनों का लक्ष्य रखा था। जवाब में जोस बटलर के नेतृत्व वाली टीम 40.3 ओवर में 215 रनों पर ही ऑलआउट हो गई थी। यह मुकाबला अफगानिस्तान ने 69 रनों से जीता था। इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड सातवें पायदान पर रही थी।

उरमजई ने बरपाया कहर

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड ने आखिरी दम तक कोशिश की लेकिन अफगानी गेंदबाजों के हाथों उसे शिकस्त मिली। अजमतुल्लाह उमरजई इंग्लिश बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूटे। उन्होंने 19 के स्कोर पर ही फिल सॉल्ट को पवेलियन भेज दिया था। वह सिर्फ 12 रन बना सके। इसके बाद मोहम्मद नबी ने जैमी स्मिथ को अपना शिकार बनाया। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज को उमरजई के हाथों कैच कराया। वह सिर्फ नौ रन बनाकर लौटे। टीम को तीसरा झटका राशिद खान ने दिया। उन्होंने बेन डकेट (38) को एलबीडब्ल्यू आउट किया।

रूट ने जड़ा शतक

इंग्लैंड के लिए जो रूट ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 111 गेंदों में 120 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 11 चौके और एक छक्का निकला। उनके अलावा हैरी ब्रूक ने 25, जोस बटलर ने 38, लियाम लिविंगस्टोन ने 10, जैमी ओवरटन ने 32, जोफ्रा आर्चर ने 14, आदिल राशिद ने पांच और मार्क वुड ने दो' रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए उमरजई के अलावा मोहम्मद नबी ने दो विकेट लिए जबकि फजलहक फारुकी, राशिद खान और गुलबदीन नईब को एक–एक सफलता मिली।

आर्चर ने दिए शुरुआती झटके

इससे पहले, अफगानिस्तान ने इब्राहिम जादरान के 177 रनों की पारी की मदद से अफगानिस्तान ने इंग्लैंड के सामने 326 रनों का लक्ष्य रखा। अफगानिस्तान ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने शुरुआत में ही अफगानिस्तान को तीन झटके दिए। हालांकि, जादरान ने शाहिदी के साथ मिलकर पारी को संभाला और ऐतिहासिक पारी खेली जिससे अफगानिस्तान 50 ओवर में सात विकेट पर 325 रन बनाने में सफल रहा।

जादरान ने मचाया धमाल

शुरुआती झटकों के बाद जादरान ने कप्तान हशमातुल्लाह शाहिदी के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 103 रनों की साझेदारी की। शाहिदी के आउट होने के बाद भी जादरान अपनी पारी को संभाला और शतक जड़ा। इसके बाद भी उन्होंने रन गति धीमी नहीं पड़ने दी। जादरान ने 146 गेंदों की अपनी पारी में 12 चौके और छह छक्के लगाए और चौंपियंस ट्रॉफी इतिहास का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाने में सफल रहे। अफगानिस्तान और इंग्लैंड दोनों के लिए यह मुकाबला काफी अहम है।

क्या 2025 होगा धोनी का आखिरी आईपीएल? खास 'कोड' के साथ चेन्नई पहुंचे माही, सोशल मीडिया पर मचा तहलका

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने अपने आईपीएल भविष्य पर एक क्रिप्टिक मैसेज के साथ इंटरनेट पर तहलका दिया है। आईपीएल 2025 से पहले वह अपनी टीम के साथ जुड़ने के लिए चेन्नई पहुंचे। हालांकि, उनके वहां पहुंचने से ज्यादा चर्चा उनकी टी–शर्ट की हो रही है। सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि टी–शर्ट पर कोड के रूप में एक क्रिप्टिक मैसेज था जो बताता है कि आईपीएल 2025 उनका आखिरी आईपीएल होगा। फैंस ने टी–शर्ट पर संदेश को डिकोड कर पर सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर भी साझा की है। फैंस का कहना है कि यह एक मोर्स कोड है जिसका अनुवाद श्एक आखिरी बारश (वन लास्ट टाइम) है। धोनी हाल ही में जियो हॉटस्टार स्टूडियो में अभिनेता सनी देओल के साथ भारत–पाकिस्तान चौंपियंस ट्रॉफी मैच देखते दिखे थे। उससे पहले वह संजू सैमसन के साथ एक कार्यक्रम का भी हिस्सा बने थे। इससे पहले धोनी ने कहा था कि फिट रहने और आईपीएल के दो महीने के लिए तैयार रहने के लिए काफी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। धोनी ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा था, श्मैं साल में केवल कुछ महीने खेलता हूं, लेकिन मैं जिस तरह से खेलना शुरू करता हूं, उसका आनंद लेना चाहता हूं। निश्चित रूप से मुझे इसके लिए पिछले छह से आठ महीने से काफी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, क्योंकि आईपीएल सबसे कठिन टूर्नामेंटों में से एक है। कोई भी परवाह नहीं करता है कि आप कितने साल के हैं। अगर आप इस स्तर पर खेल रहे हैं तो स्तर समान होना चाहिए।

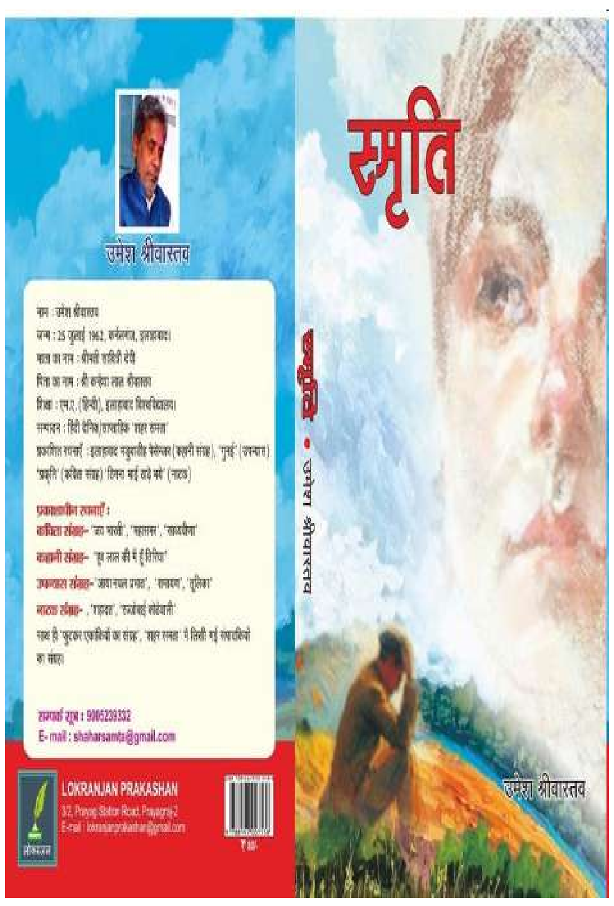

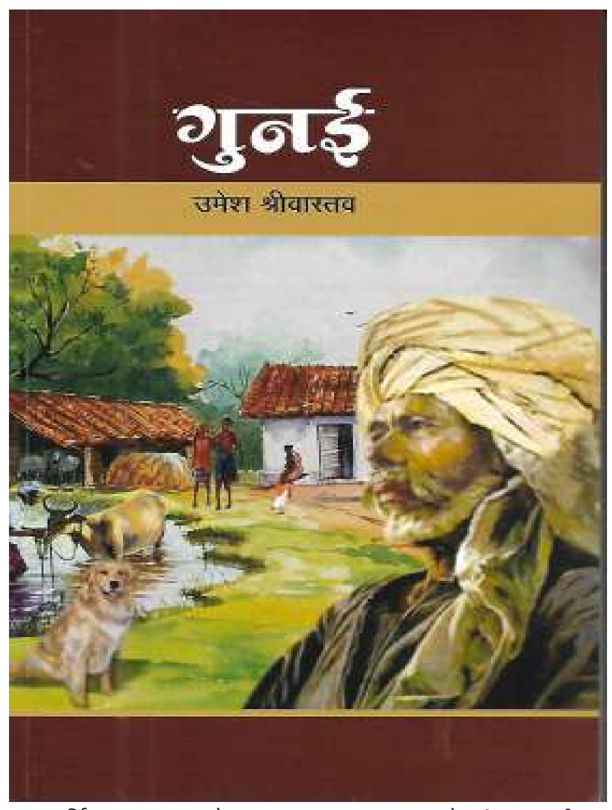

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

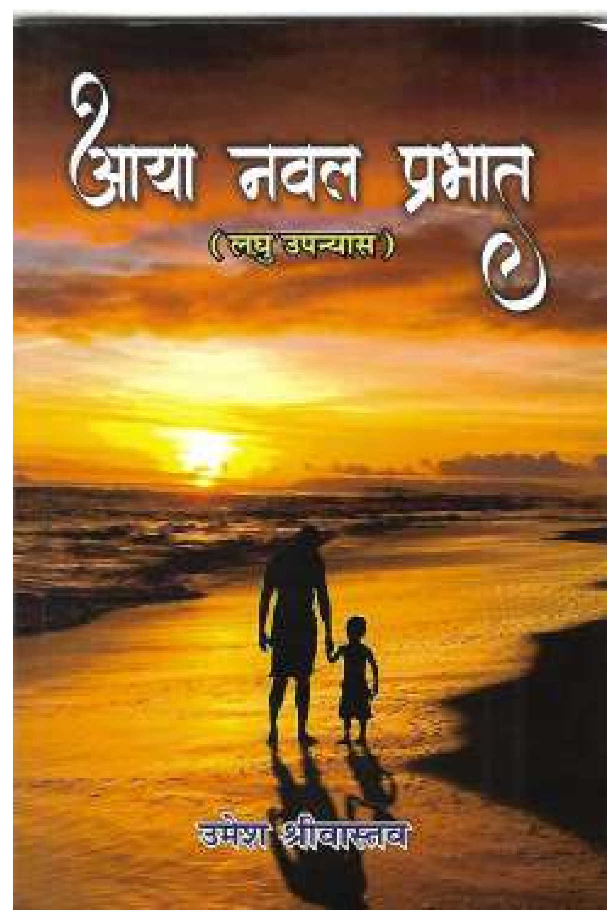

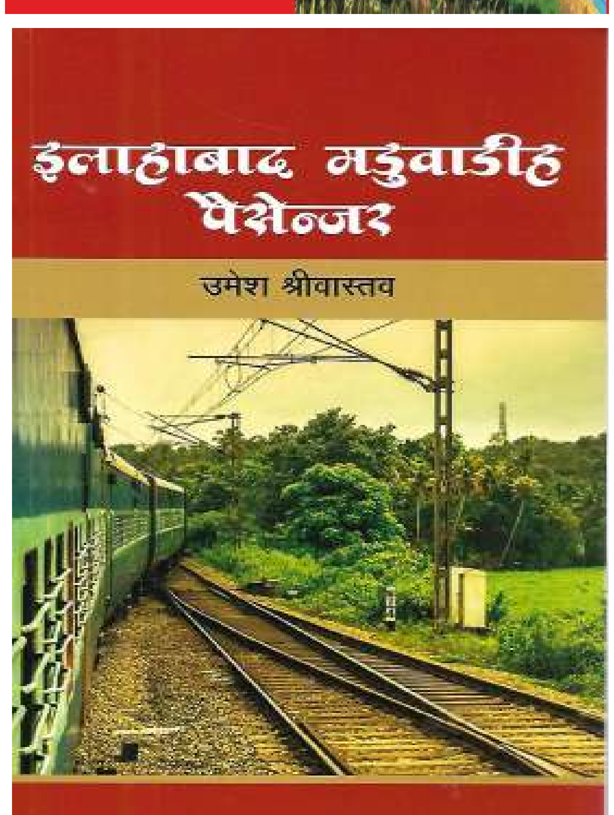

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

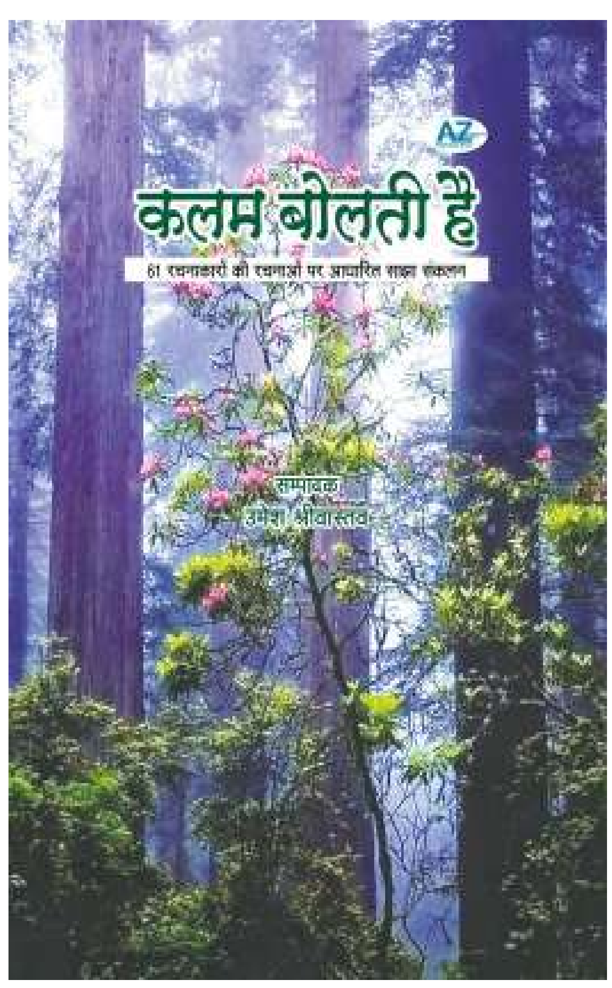

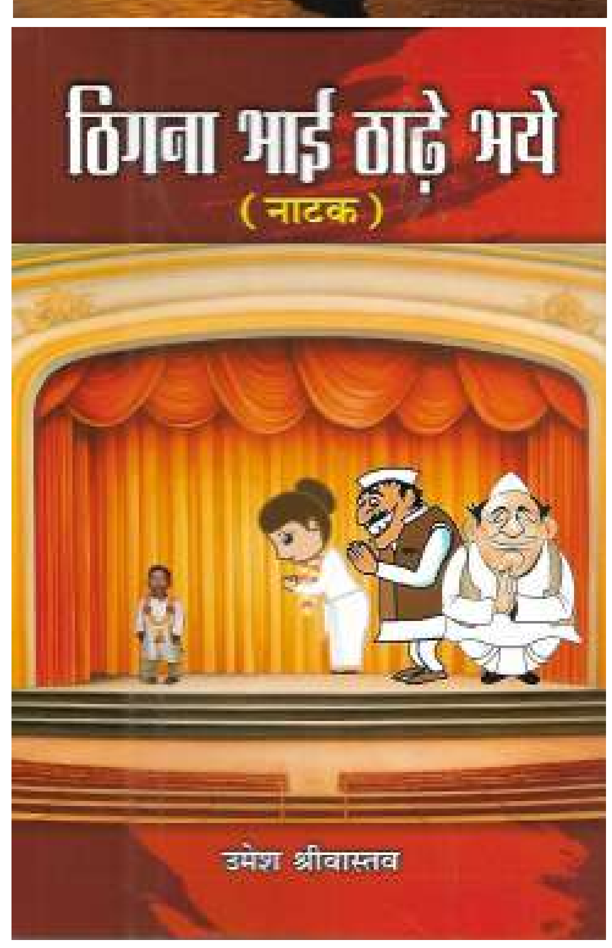

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

व्हाइट हाउस तय करेगा कि ट्रंप को कौन सा समाचार संस्थान कर सकता है कवर

व्हाइट हाउस का कहना है कि उसके अधिकारी यह "निर्धारित करेंगे" कि कौन से समाचार संस्थान नियमित रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को करीब से कवर कर सकते हैं। यह एक सदी से चली आ रही परंपरा से एकदम अलग है, जिसके तहत स्वतंत्र रूप से चुने गए समाचार संस्थानों का एक समूह राष्ट्रपति से आम नागरिकों की ओर से सवाल पूछता रहा है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को कहा कि इन परिवर्तनों के तहत समूह से पारंपरिक संस्थानों को हटा दिया जाएगा तथा कुछ स्ट्रीमिंग सेवाएं भी इसमें शामिल की जाएंगी। लेविट ने इस बदलाव को प्रेस का आधुनिकीकरण बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम अधिक समावेशी होगा और उन "अमेरिकी लोगों तक पहुंच को फिर से बहाल करेगा" जिन्होंने ट्रंप को चुना है। लेविट ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "इस प्रशासन में व्हाइट हाउस की प्रेस टीम यह तय करेगी कि एयर फोर्स वन और ओवल ऑफिस जैसे स्थानों में किसे बहुत विशेषाधिकार और किसे सीमित पहुंच मिलेगी।" उन्होंने कहा, "(वाशिंगटन) डी.सी. में रहने वाले पत्रकारों के एक चुनिंदा समूह के लिए अब व्हाइट हाउस में पहुंच का एकाधिकार नहीं होना चाहिए।

अमेरिका के साथ आर्थिक समझौते की रूपरेखा तैयार : यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के साथ एक आर्थिक समझौते की रूपरेखा तैयार है। हालांकि, सुरक्षा गारंटी, जिसे कीव महत्वपूर्ण मानता है, पर अभी निर्णय होना बाकी है तथा समझौते पर मुहर शुक्रवार को वाशिंगटन में होने वाली वार्ता पर निर्भर करेगी। कीव में संवाददाता सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की ने कहा कि यह

रूपरेखा समझौता, पूर्ण समझौते की दिशा में पहला कदम है, जिसे यूक्रेन की संसद द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन यह जानना चाहता है कि अमेरिका का उसे (यूक्रेन को) मिल रहे निरंतर सैन्य समर्थन के मामले में क्या रुखहै। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की यात्रा के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापक मुद्दों पर सार्थक बातचीत होने की उम्मीद है।

रिकोपा सुदामेरिकाना मैच से पहले रियो में अर्जेंटीना के दो फुटबॉल प्रशंसकों को गोली मारी

रिकोपा सुदामेरिकाना फाइनल के दूसरे चरण से पहले रियो डी जिनेरियो में अर्जेंटीना के दो फुटबॉल प्रशंसकों को गोली मार दी गई। यह मैच मेहमान टीम रेसिंग और स्थानीय बोटाफोगो के बीच खेला जाना है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि बुधवार को दोनों प्रशंसक शहर के पश्चिमी हिस्से में बारा दा तिजुका के क्षेत्र में एक समुद्र तट पर थे जब उन्हें लूट लिया गया और एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें गोली मार दी। रियो के स्वास्थ्य सचिवालय ने एक बयान में कहा कि पीड़ितों में से एक का मिगुएल कोटो अस्पताल में ऑपरेशन किया जा रहा है और दूसरे की हालत स्थिर है जो लौरेंको जॉर्ज अस्पताल में है। टीवी फुटेज में दिखाया गया कि उनमें से एक को रियो अग्निशमन विभाग के हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। रियो पुलिस जांच कर रही है और कहा कि कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। रेकोपा सुदामेरिकाना खिताब कोपा लिबर्टाडोरेस (बोटाफोगो) और कोपा सुदामेरिकाना (रेसिंग) के विजेताओं के बीच खेला जाता है। पिछले सप्ताह अर्जेंटीना की टीम ने ब्यूनस आयर्स में बोटाफोगो को 2–0 से हराया था।

फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले चार इजराइली बंधकों के शव सौंपेगा हमास

हमास बृहस्पतिवार को सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले इजराइल को उसके चार बंधकों के शव सौंपेगा। फलस्तीनी चरमपंथी समूह ने गाजा पट्टी में युद्ध रोकने के लिए इजराइल के साथ हुए संघर्ष–विराम समझौते के पहले चरण की समाप्ति से कुछ दिन पहले बुधवार को यह घोषणा की। इजराइल ने शनिवार से लगभग 600 फलस्तीनी कैदियों की रिहाई टाल दी है। उसने हमास पर बंधकों की रिहाई के दौरान उनके साथ क्रूर व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए यह कदम उठाया है। हमास ने कहा कि कैदियों की रिहाई में देरी संघर्ष–विराम समझौते का "गंभीर उल्लंघन" है और जब तक फलस्तीनियों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक दूसरे चरण पर बातचीत संभव नहीं है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

क्या डोनाल्ड ट्रंप का 'गोल्ड कार्ड' भारतीयों के लिए गेम चेंजर साबित होगा ? जानिए अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बारे में क्या कहा ?

कल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निवेशकों के लिए 'गोल्ड कार्ड' योजना की घोषणा की। इसके तहत बाहरी लोग पांच मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करके अमेरिकी नागरिकता प्राप्त कर सकते हैं। 'गोल्ड कार्ड' का अनावरण करने के बाद ट्रंप ने कहा कि इस नई नागरिकता पहल के तहत अमेरिकी कंपनियां अमेरिकी विश्वविद्यालयों से भारतीय स्नातकों को नियुक्त कर सकेंगी। ट्रम्प ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान आव्रजन प्रणाली शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं को अमेरिका में रहने और काम करने से रोका है। उन्होंने कहा, एक व्यक्ति भारत, चीन, जापान, कई अलग–अलग जगहों से आता है, और वे हार्वर्ड, व्हार्टन

स्कूल ऑफ फाइनेंस में जाते हैं। उन्हें नौकरी की पेशकश की जाती है, लेकिन यह पेशकश तुरंत रद्द कर दी जाती है क्योंकि आपको पता नहीं होता कि वह व्यक्ति देश में रह सकता है या नहीं। इस नीति के परिणामों के बारे में बोलते हुए, ट्रंप ने स्वीकार किया कि कई प्रतिभाशाली स्नातक जिन्हें अमेरिका छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था, वे अपने गृह देशों में सफल उद्यमी बन गए। अमेरिका के लिए छूटे हुए आर्थिक अवसर पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, श्वे भारत वापस चले जाते हैं, या वे उस देश में वापस चले जाते हैं जहाँ से वे आए थे, और वे एक कंपनी खोलते हैं, और वे अरबपति बन जाते हैं। वे हजारों लोगों को रोजगार दे रहे हैं। ट्रंप के नए गोल्ड कार्ड कार्यक्रम को मौजूदा ग्रीन कार्ड के प्रीमियम संस्करण के रूप में पेश किया जा रहा है, जो दीर्घकालिक निवास और नागरिकता का मार्ग प्रदान करता है। इस पहल को अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए राजस्व उत्पन्न करने के तरीके के रूप में भी तैयार किया जा रहा है। ट्रम्प ने कहा, यदि हम एक मिलियन बेचते हैं, तो यह 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है।श उन्होंने सुझाव दिया कि इस धन का उपयोग राष्ट्रीय ऋण का भुगतान करने के लिए किया जा सकता है। यह योजना मौजूदा म्ठ–5 वीजा कार्यक्रम की जगह लेगी, जो उन निवेशकों को निवास प्रदान करती है जो दस या अधिक लोगों को रोजगार देने वाले व्यवसायों पर कम से कम 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च करते हैं। ट्रम्प का मानना है कि गोल्ड कार्ड एक गेम–चेंजर होगा। राष्ट्रपति ने कहा, श्वे अमीर होंगे, और वे सफल होंगे, और वे बहुत सारा पैसा खर्च करेंगे और बहुत सारे करों का भुगतान करेंगे और बहुत से लोगों को रोजगार देंगे, और हमें लगता है कि यह बेहद सफल होने वाला है। ट्रम्प की सब कुछ व्यवसाय है मानसिकता से प्रेरित यह कार्यक्रम अप्रैल तक लागू होने की संभावना है, जिसमें लगभग 10 मिलियन ऐसे गोल्ड कार्ड वीजा शुरू में उपलब्ध होने की संभावना है।

'मुझे जान से मारने की मिल रही धमकियां', ट्रंप कैबिनेट की पहली बैठक में एलन मस्क ने किया बड़ा खुलासा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहली कैबिनेट बैठक में अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क ने भी हिस्सा लिया है। बता दें कि, एलन मस्क सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख हैं और उनकी नीतियों के चलते काफी विरोध हो रहा है। वहीं कैबिनेट की बैठक के दौरान जब ट्रंप ने मस्क से उनकी योजनाओं के बारे में बताने को कहा, तो उन्होंने खुलासा किया कि, मुझे लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही है।

सरकार को टेक सपोर्ट दे रहे हैं मस्क

इस दौरान एलन मस्क ने मजाकिया लहजे में खुद को सरकारी टेक सपोर्ट कहा। उन्होंने बताया कि कई सरकारी सिस्टम बहुत पुराने हैं, जिनमें सुधार किया जा रहा है। हमारा मुख्य लक्ष्य अमेरिका के बढ़ते घाटे को कम करना है। अगर हमने अभी कदम नहीं उठाए तो देश दिवालिया हो सकता है। एलन मस्क ने कहा कि देश +2 ट्रिलियन (2 लाख करोड़ डॉलर) के घाटे को और सहन नहीं कर सकता।

डीओजीईई की गलतियों पर मस्क का जवाब

एलन मस्क ने स्वीकार किया कि सरकारी दक्षता विभाग गलतियां करेगा, लेकिन उन्हें जल्दी सुधार लिया जाएगा। इस दौरान उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गलती से इबोला रोकथाम कार्यक्रम बंद कर दिया गया था, लेकिन तुरंत इसे बहाल कर दिया गया। मस्क ने आगे कहा कि, हमारी कोशिश है कि 2026 तक सरकार का घाटा एक ट्रिलियन डॉलर कम किया जाए। इसके लिए हर दिन 4 अरब डॉलर बचाने होंगे। लेकिन हम इसे कर सकते हैं और करेंगे।

सरकारी कर्मचारियों में गुस्सा, विरोध और इस्तीफे

सरकारी दक्षता विभाग की नीतियों के कारण कई सरकारी कर्मचारियों ने इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकारी दक्षता विभाग के 30% टेक्नोलॉजी स्टाफ ने यह कहकर नौकरी छोड़ी कि वे देश को खतरे में डालने वाले फैसलों का समर्थन नहीं कर सकते। एक आंकड़े के मुताबिक, अब तक करीब एक लाख सरकारी कर्मचारी या तो निकाल दिए गए हैं या स्वेच्छा से इस्तीफा दे चुके हैं। सरकारी कर्मचारियों के सबसे बड़े संगठन अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज ने मस्क की नीतियों को अवैध और खतरनाक बताया है और कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

ट्रंप ने दिया मस्क को अपना समर्थन

इस कैबिनेट बैठक के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने एलन मस्क को अपना समर्थन दिया। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, श्अगर कोई मस्क से नाखुश है, तो हम उसे यहां से बाहर फेंक देंगे!श डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क की तारीफ करते हुए कहा, वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। कुछ लोग उनसे असहमत हैं, लेकिन ज्यादातर लोग बहुत खुश हैं।

पोप चिकित्सकों की निगरानी में, उनके स्वस्थ होने के लिए अनुयायी कर रहे हैं प्रार्थना

'डबल निमोनिया' से पीड़ित पोप फ्रांसिस इलाज के दौरान बुधवार को सीधा बैठे, वहीं दुनिया भर में उनके अनुयायी उनके जल्द स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। वेटिकन ने बताया कि फ्रांसिस की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है, लेकिन नए बिशपों की घोषणा और चर्च के लिए राशि जुटाने की नयी पहल को लेकर रोमन कैथोलिक चर्च के प्रतिनिधि जुटे हुए हैं। वेटिकन ने कहा कि उसे उम्मीद है कि मंगलवार शाम की गई सीटी स्कैन जांच की रिपोर्ट जल्द ही मिल जाएगी, जिससे फेफड़े के संक्रमण की स्थिति का पता चल सकेगा। 88 वर्षीय पोप 14 फरवरी से अस्पताल में भर्ती हैं। पोप फ्रांसिस फेफड़ा संबंधी रोग से पहले भी

पीड़ित रहे हैं और 'ब्रोंकाइटिस' के कारण तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वेटिकन ने बताया, ''पोप रात में ठीक से सोये और आराम किया।'' पोप ने बुधवार सुबह कुर्सी पर बैठकर थेरेपी कराई। चिकित्सकों ने कहा है कि वह अभी खतरे से बाहर नहीं हैं, लेकिन शनिवार से उन्हें सांस को लेकर दिक्कत नहीं हुयी है। फ्रांसिस अस्पताल के अपने कमरे से काम कर रहे हैं और उनकी अनुपस्थिति में वेटिकन नौकरशाही का दैनिक काम जारी है। इस बीच वेटिकन ने कहा कि फ्रांसिस ने चार नए बिशप नियुक्त किए हैं और रोमन कैथोलिक चर्च के लिए राशि जुटाने की खातिर एक नयी पहल को मंजूरी दी है, जो वर्षों से वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। फ्रांसिस ने संभवतः कुछ समय पहले बिशप नियुक्तियों को मंजूरी दी थी और चंदा एकत्र करने के लिए नए मानदंडों को 11 फरवरी को मंजूरी दी गई थी। यह मंजूरी उनके अस्पताल में भर्ती होने से पहले दी गयी थी लेकिन अब उनकी औपचारिक रूप से घोषणा की गयी है। पोप के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके अनुयायी और शुभचिंतक रोम में एकत्र हुए तथा विशेष प्रार्थना की। मंगलवार रात को फ्रांसिस के गृहनगर से कई लोग रोम के अर्जेंटाइन गिरजाघर में जमा हुए और रोम के लिए पोप के पादरी कार्डिनल बालदासारे रीना की अगुवाई में विशेष प्रार्थना की।

फलस्तीन समर्थकों ने बर्नार्ड कॉलेज की इमारत में जबरन घुसकर किया हंगामा, एक कर्मचारी घायल

नई दिल्ली। बुधवार को कफियेह स्कार्फ और मास्क पहने हुए फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने न्यूयॉर्क के बर्नार्ड कॉलेज के मिलबैंक हॉल में जबरन प्रवेश कर हंगामा किया। कॉलेज ने बताया कि जहां हंगामा किया गया वहीं डीन का कार्यालय है। कालेज प्रशासन ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने हंगामे के दौरान एक स्कूल कर्मचारी पर हमला किया। बर्नार्ड की अध्यक्ष लॉरा रोसेनबरी ने एक बयान में कहा कि प्रदर्शनकारी रात में मिलबैंक हॉल से ''बिना किसी और घटना के'' चले गए। उन्होंने कहा, ''लेकिन हम स्पष्ट कर दें कि हमारे समुदाय की सुरक्षा के प्रति उनकी उपेक्षा पूरी तरह से अस्वीकार्य है।'' स्कूल ने चेतावनी दी थी कि यदि छात्र रात 9:30 बजे तक नहीं गए तो अधिकारी हमारे परिसर की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त, आवश्यक कदम उठाने के लिए बाध्य हो सकते हैं। कोलंबिया स्टूडेंट्स फॉर जस्टिस इन पैलेस्टाइन नामक छात्र समूह ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि प्रशासन की ओर से गुरुवार दोपहर उनसे मिलने पर सहमति जताए जाने के बाद प्रदर्शनकारी तितर–बितर हो गए। समूह के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने फलस्तीन समर्थक कार्रवाई के लिए दंडित सभी छात्रों के लिए माफी, रोसेनबरी और डीन लेस्ली ग्रिनेज के साथ बैठक और दो छात्रों के निष्कासन को वापस लेने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने एक्स पर पोस्ट कर की फलस्तीन को आजाद करने की मांग

प्रदर्शनकारियों ने दिन में पहले एक्स पर पोस्ट किया, ष्हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं। फलस्तीन को आजाद करो।ष बर्नार्ड के रणनीतिक संचार उपाध्यक्ष रॉबिन लेविन ने एक बयान में कहा कि प्रदर्शनकारियों की ओर से हमला किए जाने के बाद एक कर्मचारी को अस्पताल भेजा गया, हालांकि उन्होंने कोई और ब्यौरा नहीं दिया। लेविन ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने अन्य लोगों को भी बिना पहचान के परिसर में आने के लिए प्रोत्साहित किया। लेविन ने कहा, बर्नार्ड प्रशासन ने पहले प्रदर्शनकारियों से मिलने की पेशकश की– ठीक वैसे ही जैसे हम अपने समुदाय के सभी सदस्यों से मिलते हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए सिर्फ एक साधारण शर्त रखी गई कि अपने मास्क हटा दें। उन्होंने मना कर दिया। हमने मध्यस्थता की भी पेशकश की है। छात्र समूह द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में मास्क और काफयेह स्कार्फ़ पहने हुए लोग गलियारे में नारे लगाते हुए दिखाई दिए। कुछ लोग ड्रम बजा रहे थे, जबकि अन्य के हाथ में मेगाफोन थे। दीवारों पर फलस्तीन झंडे लटकाए गए थे और "बर्नार्ड नरसंहार को वित्तपोषित करता है" व "फलस्तीन को मुक्त करो" जैसे नारे दीवारों पर लिखे गए थे।

'देश खतरे में, अराजकता हमारी अपनी ही बनाई हुई', बांग्लादेश के सेना प्रमुख की यूनुस सरकार को दो–टूक

ढाका। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वाकर–उज–जमान ने देश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक उथल–पुथल के कारण हालात और खराब होते जा रहे हैं। एक सैन्य कार्यक्रम में जनरल जमान ने कहा, श्जो अराजकता हमने देखी है, वह हमारी खुद की बनाई हुई है।श उन्होंने पुलिस बल की अक्षमता पर भी सवाल उठाए और बताया कि कई अधिकारी डर में जी रहे हैं, क्योंकि उनके साथी या तो जेल में हैं या उन पर मुकदमे चल रहे हैं। सेना प्रमुख ने कहा कि देश में राष्ट्रीय एकता और अनुशासन की सख्त जरूरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समाज में झगड़े और खून–खराबा जारी रहा तो देश की स्वतंत्रता और अखंडता खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने कहा, अगर आप आपसी मतभेद भुलाकर एक नहीं हुए और एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाते रहे, तो देश का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा।

ऑपरेशन 'डेविल हंट' में 8,600 गिरफ्तार

बीते कुछ महीनों में बांग्लादेश में हिंसा, तोड़फोड़ और दंगे बढ़ गए हैं। फरवरी में हालात इतने खराब हो गए थे कि सुरक्षा बलों को ऑपरेशन डेविल हंट नाम से एक बड़ा अभियान चलाना पड़ा। इसमें 8,600 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। अंतरिम सरकार का कहना है कि ये लोग देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे थे।

हसीना सरकार के पतन के बाद सेना को मिले विशेष अधिकार

पिछले अगस्त में छात्र आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी थी, जिसके बाद सेना को पुलिस जैसी गिरफ्तारी और न्यायिक शक्तियां मिल गई थीं। इस दौरान सेना पर गायब करने, हत्या और यातना के आरोप भी लगे। जनरल जमान ने कहा कि इन आरोपों की जांच जरूरी है और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए, नहीं तो हम फिर से उसी चक्र में फंस जाएंगे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प प्रशासन को अरबों डॉलर की विदेशी सहायता जारी करने के आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी

अमेरिकी के उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक न्यायाधीश के उस आदेश पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन को अन्य देशों के लिए अरबों डॉलर की अमेरिकी सहायता जारी करने के संबंध में मध्य रात्रि तक की समय सीमा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने अस्थायी रोक जारी की, अमेरिकी जिला न्यायाधीश आमिर एच. अली के उस आदेश को रोक दिया, जिसने प्रशासन द्वारा विदेशी सहायता पर रोक को रोक दिया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से न्यायाधीशों को अंतिम निर्णय देने से पहले मामले की समीक्षा करने का समय मिल गया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।